मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, मंगलवार 29 सितंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-332, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in



सुप्रीम कोर्ट का यूपीआई चार्ज पर रोक से इनकार:2000 से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4% चार्ज तय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीआई पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। 15 अक्टूबर से यह शुल्क 2000 रुपए से ज्यादा के मर्चेंट पेमेंट पर लागू होगा। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है कि इस नए नियम को लागू करने का आधार क्या है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की तीन जजों की बेंच ने वकील अंजन दत्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। एडवोकेट अंजन दत्ता ने जनहित याचिका में सवाल उठाया कि 2,000 रुपए की सीमा क्यों तय की गई? UPI और रूपे कार्ड के लिए नियम अलग क्यों हैं। याचिका में इसे रद्द करने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया कि सरकार ने जनता से चर्चा किए बिना और कोई ठोस नियम बनाए बिना ही यह फीस तय कर दी। इसके अलावा, 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' के एक नियम (धारा 10A) को भी अदालत में चुनौती दी गई। आरोप है कि यह नियम सरकार को अपनी मर्जी से यह फैसला करने की छूट देता है कि कौन-सा डिजिटल पेमेंट फ्री रहेगा और किस पर चार्ज लगेगा।

सरकार की तरफ से ASG एन. वेंकटरमण ने कहा कि आम लोगों के आपस में पैसे भेजने पर चार्ज नहीं लगेगा। देश के लगभग 96% छोटे-मोटे दुकानदारी वाले भुगतानों पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। MDR वह फीस है, जो कोई दुकानदार या व्यापारी कार्ड या वढकसे पेमेंट लेने की सुविधा इस्तेमाल करने के बदले बैंक और पेमेंट कंपनियों को देता है। यह चार्ज पेमेंट सिस्टम और मशीनों को सही तरीके से चलाने के खर्च के लिए लिया जाता है।

किसान चौपाल बनें किसानों से संवाद का माध्यम

प्रदेश को मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर का महत्वपूर्ण योगदान है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर का बड़ा योगदान है। अनूपपुर जिला जल संपदा से संपन्न है। जिले में केवई उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से सिंचाई सुविधा को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश में तकनीक और नवाचार से कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के साथ ही 100 लाख हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है। प्रदेश में किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जारी सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान हितैषी योजनाओं की जानकारियां अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा की जायें। राज्य सरकार युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में ज्वार, बाजरा जैसे श्रीअन्न के साथ धान उपार्जन के लिए पंजीयन शुरू हो गया है। उन्होंने किसानों से समय रहते पंजीयन कराने का आह्वान किया। ह्यकृषक कल्याण वर्ष-2026ह्ल के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री निवास से अनूपपुर में आयोजित ह्यबलराम कृषि महोत्सवह्ल में वर्चुअली जुड़कर किसानों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान चौपालें लगाकर किसान हितैषी योजनाओं का प्रसार-प्रचार किया जाए। किसान चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याओं का भी समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में धान, गेंहू, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ हमारे किसान नई तकनीक और नई फसलों को अपना रहे हैं। किसानों द्वारा मशरूम और स्ट्रॉबेरी की खेती की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को पशुपालन, दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियां अपनाते हुए नवीन तकनीक और नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि का भविष्य उज्ज्वल है, किसान अपने बच्चों को कृषि उद्योगों से जोड़े। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है।

बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम के दौरान कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उन्नतशील किसानों एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मानित किया गया। उन्नतशील किसानों में श्री रामप्रमोद साहू, श्री ओम प्रकाश जोगी, श्री फत्तेलाल जयसवाल, श्री जीवनलाल एवं श्री जगदीश सिंह को कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के मेधावी विद्यार्थियों दुर्गेश्वरी कोल, दुर्गा सिंह, धनश्वरी देवी, शुभा द्विवेदी एवं आकाश सिंह मरावी को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

बलराम कृषि महोत्सव के दौरान कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, उद्यानिकी फसलों, उन्नत पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किसानों को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को अपनाकर आय में वृद्धि के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, कलेक्टर श्री रत्नाकर झा, पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत मुराब, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष श्री हीरा सिंह श्याम सहित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन विभाग के अधिकारी जनप्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया प्रगतिशील किसानों से संवाद

बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनूपपुर जिले के प्रगतिशील किसानों से वर्चुअल संवाद किया। किसानों ने कृषि क्षेत्र में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, कृषि यंत्रीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा पशुपालन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी साझा की। पुष्पराजगढ़ के श्री रमेश सिंह एवं श्री अरुण कुमार चन्द्रवंशी ने आधुनिक कृषि यंत्रों एवं सिंचाई सुविधाओं से प्राप्त लाभ बताए। श्री प्रेमलाल केवट ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जबकि श्री रामभजन ने फसल प्रदर्शन एवं किसान खेत पाठशाला की जानकारी दी। पशुपालक श्री माधव सिंह राठौर ने उन्नत पशुपालन एवं कृत्रिम गभार्धान तकनीक से बढ़े दुग्ध उत्पादन की जानकारी दी।

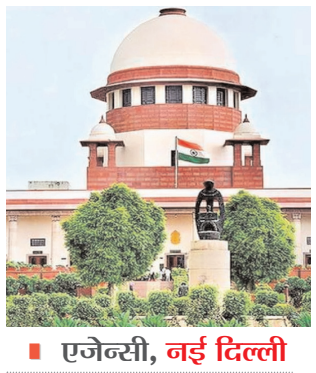


ग्रामीणों को मिलेंगे सुगम परिवहन सेवा और निःशुल्क रजिस्ट्री के लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आरंभ हुई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना का लाभ दूरदराज के गांव वालों को मिलेगा। ग्रामीणों के लिए निःशुल्क रजिस्ट्री की व्यवस्था भी राज्य सरकार द्वारा आरंभ की गई है। राज्य सरकार बच्चों की बेहतर पढ़ाई और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

7वीं-8वीं की तरह छठी में भी तीसरी भाषा पर राहत



एजेन्सी, **नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को निर्देश दिया कि तीन-भाषा व्यवस्था के तहत छठी कक्षा के छात्रों को भी वही राहत दी जाए, जो अभी सातवीं कक्षा के छात्रों को मिल रही है। यह मामला सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को भी तीसरी भाषा के मूल्यांकन में सातवीं कक्षा के छात्रों के लिए दी गई छूट का लाभ दिया जाए।

अदालत के आदेश का सबसे अहम हिस्सा तीसरी भाषा के मूल्यांकन से जुड़ा है। अभी सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को संक्रमणकालीन राहत दी गई है। इसके तहत जब वे दसवीं कक्षा में पहुंचेंगे, तो तीसरी भाषा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी।

तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक रूप से किया जाएगा। इसका दसवीं कक्षा के बोर्ड परिणाम पर पास या फेल होने का असर नहीं होगा। अब यही राहत छठी कक्षा के छात्रों को भी दी गई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को सातवीं कक्षा के छात्रों को दी गई वही छूट दी जाए।

नेपाल के हिमालय में हिमस्खलन, 4 की मौत, 12 लापता: सो रहे लोगों पर बर्फ गिरी

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

नेपाल के मनांग जिले में 7,126 मीटर ऊंचे हिमलुंग हिमाल पर रविवार को हिमस्खलन हो गया। हादसे के समय गाइड और उनके साथ काम करने वाले लोग एक टेंट में सो रहे थे। हिमस्खलन की चपेट में आने से टेंट बर्फ के नीचे दब गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 लोग लापता हैं। हादसे के बाद रविवार को ही बचाव दल के कुछ सदस्य मौके पर पहुंच गए थे और दो शव बरामद कर लिए थे।

हालांकि खराब मौसम और उड़ान में दिक्कत के कारण पूरी टीम बेस कैंप तक नहीं पहुंच सकी। सोमवार सुबह हेलिकॉप्टर से बाकी बचावकर्मियों को बेस कैंप पहुंचाया गया।

जिस टेंट पर हिमस्खलन गिरा, उसमें कुल 22 लोग मौजूद थे। इनमें 9 पर्वतारोही और 13 लोग सपोर्ट स्टाफ के थे। ये लोग आने वाले पर्वतारोहण सीजन की तैयारी के लिए वहां पहुंचे थे।



पहाड़ों की चढ़ाई के लिए हिमलुंग में ट्रेनिंग लेते हैं पर्वतारोही

हिमलुंग हिमाल 7,126 मीटर ऊंचा है और तिब्बत सीमा के पास स्थित है। यह इलाका काफी दूरदराज है, इसलिए यहां पहुंचना आसान नहीं है। एवरेस्ट और मनास्लू जैसी 8,000 मीटर से ऊंची चोटियों पर चढ़ने वाले पर्वतारोही यहां आकर कम ऑक्सीजन और ज्यादा ऊंचाई में अपने शरीर को ढालने की तैयारी करते हैं। हिमलुंग पर चढ़ाई कुछ दूसरी बड़ी चोटियों के मुकाबले कम मुश्किल मानी जाती है। फिर भी यहां पर्वतारोहियों को बर्फीली ढलानों पर फिक्स्ड रोप, जुमार और क्रैम्पॉन के साथ चढ़ने का अच्छा अभ्यास मिलता है। यानी बड़ी और ज्यादा ऊंची चोटियों पर जाने से पहले यहां चढ़ाई के जरूरी तरीकों को आजमाने का मौका मिलता है।

उनका काम चढ़ाई का रास्ता तैयार करना, रस्सियां लगाना और बेस कैंप तैयार करना था। हिमस्खलन के बाद 12 लोग लापता हो गए।

वायु प्रदूषण के खिलाफ अहम बैठक

उम्र पूरी कर चुके 2.5 लाख वाहनों की होगी फिटनेस चेक

एजेन्सी, **नई दिल्ली**



केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को लेकर एक बैठक हुई। जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। राज्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक व्यापक योजना पर काम चल रहा है। साथ ही, इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और सर्दियों के लिए विशेष इंतजाम करने की भी बात कही।

राज्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ₹आज केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को लेकर एक बैठक हुई, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली पीडब्ल्यूडी के प्रवेश वर्मा शामिल हुए।

इसमें प्रदूषण के खिलाफ ठोस कार्रवाई की योजना पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि हमने एनसीआर में प्रदूषण कम करने और इस कोशिश में दिल्ली और एनसीआर की भूमिकाओं पर बात की।

बैठक में सुझाए गए कदमों के बारे में बताते हुए कहा, हमारी 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' पॉलिसी को और सख्ती से लागू किया जाएगा। दिल्ली के सभी 500 पेट्रोल पंपों पर, जहां एएनपीआर कैमरे लगे हैं। साथ ही 'एंड-ऑफ-लाइफ' (अपनी उम्र पूरी कर चुकीं) गाड़ियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए अक्तूबर में जन-जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा और नवंबर में पीयूसी सेंटरों को अपग्रेड किया जाएगा।

45 हजार करोड़ रुपये के ई-चालान बकाया, वाहन-लाइसेंस पर भी कार्रवाई के संकेत

सुप्रीम कोर्ट: ट्रैफिक चालान नहीं भरा तो बिजली बिल से जुड़ सकता है बकाया

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद ई-चालान भरने में लापरवाही करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त कदमों पर विचार करने को कहा है। अदालत ने सुझाव दिया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बकाया ई-चालान की रकम वसूलने के लिए व्यावहारिक तरीके तलाशने चाहिए। इनमें बकाया चालान को बिजली बिल से जोड़ने का सुझाव भी शामिल है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सोमवार को एस. राजसीकरन बनाम भारत संघ मामले में ई-चालान और ट्रैफिक नियमों के इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ बड़ी संख्या में ई-चालान जारी करना पर्याप्त नहीं है। असली सवाल इन चालानों पर लगाई गई जुमार्ने की रकम की वसूली का है। अदालत ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो बकाया रकम को बिजली के बिल से जोड़ने की व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। इससे बकाया चालान जमा कराने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं, तो इसे उनके बिजली के बिल में जोड़ दें। उन्हें बिजली का बिल भरना होगा, नहीं तो बिजली की लाइन काट दी जाएगी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि करीब 14 वर्षों से दिए जा रहे निदेर्शों का वास्तविक स्तर पर कितना पालन हुआ है। कोर्ट ने कहा कि अगर निर्देश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे और उनका पालन नहीं होगा तो आगे सख्त कदम उठाने की स्थिति आ सकती है। अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता और अमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल से निदेर्शों की स्थिति बताने वाला एक चार्ट तैयार करने को कहा है। इसमें अब तक जारी निर्देश, उन्हें लागू करने के लिए दिया गया समय,



वर्तमान स्थिति और अमिकस की टिप्पणियां शामिल होंगी। इस मामले में आगे की कार्यवाही के दौरान बकाया ई-चालान की वसूली और सड़क सुरक्षा से जुड़े उपायों पर अदालत की दिशा स्पष्ट हो सकती है। अदालत को बताया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर करीब 45,000 करोड़ रुपये के ई-चालान की रकम वसूलना बाकी है। इनमें से करीब 25,000 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में अदालत ने बकाया चालानों की वसूली के लिए कई संभावित उपायों पर चर्चा की।

वाहन से जुड़े काम भी रुक सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि जिन वाहनों पर चालान बकाया हैं, उनके लिए कुछ वाहन संबंधी सेवाओं को रोका जा सकता है। इनमें वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के नवीनीकरण, डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने और मालिकाना हक में बदलाव जैसी सेवाओं को बकाया चालान से जोड़ने पर विचार किया गया। अदालत ने परिवहन पोर्टल पर ऐसे वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने और उनका स्वामित्व ट्रांसफर रोकने का सुझाव भी दिया। इसके अलावा, फिटनेस सर्टिफिकेट और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी जारी करने या नवीनीकरण पर रोक तथा ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण से जुड़े उपायों पर भी चर्चा हुई।

सड़क पर रैंडम चेकिंग का भी सुझाव

अदालत ने बकाया ई-चालान वाले वाहनों की पहचान के लिए सड़क पर रैंडम चेकिंग करने का सुझाव दिया। यदि जांच के दौरान पता चलता है कि वाहन से जुड़ा ई-चालान लंबे समय से नहीं भरा गया है, तो नियमों के तहत जरूरी कार्रवाई करने और वाहन को जब्त करने जैसे कदमों पर विचार किया जा सकता है। पीठ ने जोर दिया कि केवल कागजों पर आदेश जारी करने के बजाय इन उपायों का जमीन पर प्रभावी तरीके से पालन होना चाहिए।

2012 से चल रही है सड़क सुरक्षा की सुनवाई

यह मामला 2012 में कोयंबटूर के ऑथोर्पेडिक सर्जन एस. राजसीकरन की ओर से दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिका में सड़क सुरक्षा, सड़क हादसों को कम करने, बेहतर बुनियादी ढांचे और दुर्घटना के बाद पीड़ितों को उचित सहायता उपलब्ध कराने के लिए समन्वित कदम उठाने की मांग की गई है।

न्यूज ब्रीफ

बारिश एवं ग्राउंड में जलभराव के चलते जबलपुर में ग्रुप-डी की शारीरिक दक्षता परीक्षा स्थगित

भोपाल। जबलपुर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में विगत दिनों से जारी लगातार चक्रवातीय वर्षा तथा मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान के दृष्टिगत, पश्चिम मध्य रेल प्रशासन ने उम्मीदवारों की सुरक्षा एवं निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, पश्चिम मध्य रेल द्वारा केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचना संख्या उएठ-08/2024 (लेवल-1) के तहत दिनांक 28 सितम्बर 2026 से 01 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली चार दिवसीय शारीरिक दक्षता परीक्षा को अग्रिम आदेश तक तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। अत्यधिक और अनवरत बारिश के कारण परीक्षा स्थल–रेलवे स्टेडियम ग्राउंड, जबलपुर–में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्राउंड पर पानी भरने व कीचड़ के कारण मैदान दौड़ के लिए पूरी तरह असुरक्षित व अनुपयुक्त हो चुका है। ऐसी परिस्थितियों में अभ्यर्थियों के फिसलने, चोटिल होने का जोखिम था और प्रतिकूल मौसम के कारण सभी को अपनी शारीरिक क्षमता प्रदर्शित करने का समान अवसर मिलना संभव नहीं था। उम्मीदवारों की शारीरिक सुरक्षा एवं 'फेयर चांस' के सिद्धांत को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासन ने यह स्थगन आदेश जारी किया है।

नई तिथियों की सूचना जल्द : स्थगित की गई शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए नवीन तिथियों की घोषणा मौसम सामान्य होने के उपरांत पृथक से आधिकारिक माध्यमों द्वारा की जाएगी। पश्चिम मध्य रेल प्रशासन ने सभी उम्मीदवारों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाहों पर ध्यान न दें। परीक्षा से संबंधित प्रामाणिक और अद्यतन जानकारी के लिए नियमित रूप से पश्चिम मध्य रेल की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करें।

भारत भवन में 3 अक्टूबर से शुरू होगा चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह

भोपाल। बहुकला केंद्र भारत भवन में 3 अक्टूबर से चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय यह समारोह भारत भवन और सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित हो रहा है। सुंदर अगनानी की स्मृति को समर्पित इस आयोजन का संयोजन सिंधी रंग समूह, भोपाल द्वारा किया गया है। समारोह के संयोजक मनोहर अगनानी ने बताया कि समारोह के पहले दिन शाम 6.30 बजे जय पंजवानी के निर्देशन में नाटक मिस्टर एंड मिसेस बोलना...नी का मंचन होगा। इसके बाद शाम 7.30 बजे कविता ईसरानी के निर्देशन में ही छा थी व्यो नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह के अंतिम दिन 4 अक्टूबर को शंकर मूलवानी द्वारा निर्देशित नाटक शादी शर्त सां का मंचन होगा। इसके बाद शाम 7.40 बजे अशोक बुलानी के निर्देशन में जिंदगी जा रंग का मंचन होगा। वहीं रात 8.20 बजे जूली तेजवानी के निर्देशन में आई लव यू नाटक के साथ समारोह का समापन होगा। समारोह में सुंदर अगनानीः फन-ए-शख्सियत शीर्षक से वृत्तचित्र का प्रदर्शन होगा। साथ ही दिल्ली के वरिष्ठ रंगकर्मी शंकर मूलवानी को सुंदर अगनानी सम्मान-2026 से सम्मानित किया जाएगा।

भारत भवन में समूह चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

भोपाल। भारत भवन की रंगदर्शनी दीर्घा में मंगलवार से प्रख्यात कलागुरु लक्ष्मीनारायण भावसार की कला-परंपरा उनके शिष्यों की कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। समकालीन कला की कृतियों को मंच प्रदान करने वाली प्रदर्शनी श्रृंखला रुपाभ के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी में अलग-अलग रंग-संवेदनाओं, शैलियों और कलात्मक प्रयोगों से सजे चित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रदर्शनी में शीला गर्ग, आलोक भावसार, राजू राठौर, वंदना शर्मा, निलेश उपाध्याय, शैलेन्द्र नामदेव, शंकर राजपूत, रविन्द्र भावसार, कल्पित सोनी और आदित्य भावसार की कलाकृतियां शामिल हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को शाम 5 बजे भारत भवन की रंगदर्शनी दीर्घा में होगा। कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी 4 अक्टूबर तक खुली रहेगी।

सीएसआर भागीदारी को नई गति देने 30 सितंबर को राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया करेंगी शुभारंभ

उद्योग जगत और कॉरपोरेट संस्थानों के साथ महिलाओं-बच्चों के समावेशी विकास पर होगा मंथन

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों के समावेशी विकास में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की भागीदारी को व्यापक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 30 सितंबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय सीएसआर भागीदारी कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। ह्महिलाओं और बच्चों में निवेश : मध्यप्रदेश के समावेशी विकास के लिए सीएसआर की संभावनाओं का उपयोगह्व विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया करेंगी।

कॉन्क्लेव का उद्देश्य प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों में कॉरपोरेट संस्थानों, सीएसआर फाउंडेशन, सामाजिक संगठनों और विकास संस्थाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से आँगनवाड़ी अधोसंरचना के आधुनिकीकरण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सशक्तिकरण तथा मैदानी कार्यबल की क्षमता निर्माण जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में सीएसआर निवेश की संभावनाओं को सामने लाया जाएगा।

सरकार और कॉरपोरेट क्षेत्र के बीच मजबूत होगी विकास साझेदारी

कॉन्क्लेव में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्राथमिकताओं, प्रदेश में सीएसआर की वर्तमान स्थिति तथा निवेश के संभावित क्षेत्रों पर प्रस्तुतीकरण होगा। सचिव महिला बाल विकास सुश्री जी.वी. रश्मि प्रदेश के मानव संसाधन विकास में कॉरपोरेट सीएसआर की भूमिका और संभावनाओं पर मुख्य वक्तव्य देंगी। आयुक्त महिला बाल विकास श्री संदीप जी.आर. सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बीच विकास साझेदारी की आवश्यकता और संभावनाओं पर जानकारी देंगे।



मध्यप्रदेश की सीएसआर नीति तथा महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में सीएसआर सहयोग के संभावित अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। इसका उद्देश्य कॉरपोरेट क्षेत्र को महिला एवं बाल विकास से जुड़े कार्यों में दीर्घकालिक और परिणाम आधारित साझेदारी के लिए प्रोत्साहित करना है।

आँगनवाड़ी अधोसंरचना से पोषण और प्रारंभिक शिक्षा तक पर होगा मंथन

कॉन्क्लेव में आँगनवाड़ी अधोसंरचना के आधुनिकीकरण तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पर विशेष चर्चा होगी। विशेषज्ञ और विभिन्न सामाजिक एवं विकास संस्थाओं के प्रतिनिधि आँगनवाड़ी केंद्रों को अधिक सक्षम, आधुनिक और बाल-अनुकूल बनाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेपों पर विचार साझा करेंगे।

मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा तथा मैदानी कार्यबल की क्षमता निर्माण पर भी विशेष सत्र आयोजित होगा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल के डॉ. अरुण कोंकणी मध्यप्रदेश में कुपोषण की स्थिति और उसके समाधान के उपायों पर प्रस्तुति देंगे। विभिन्न सीएसआर संस्थानों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि अपने अनुभव तथा सहयोग की संभावनाएं साझा करेंगे।

मैदानी अमला बताएगा जमीनी जरूरतों और चुनौतियों की तस्वीर

सम्मेलन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी अपने मैदानी अनुभव साझा करेंगे। इससे सीएसआर क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों को महिला एवं बाल विकास योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन, उपलब्ध संसाधनों और आवश्यकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलेगा। खनिज क्षेत्र फाउंडेशन निधि के उपयोग तथा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कानून से जुड़े प्रावधानों पर भी चर्चा होगी। खुले संवाद सत्र में कॉरपोरेट और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएंगे तथा महिला एवं बाल विकास के प्राथमिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

साझेदारी के ठोस प्रस्तावों के साथ होगा सम्मेलन का समापन

समापन सत्र में विभिन्न संस्थानों की ओर से सहयोग के संकल्प, सहयोग में रुचि-पत्र तथा आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की जाएगी। कोल इंडिया की दक्षिण-पूर्वी कोयला क्षेत्र इकाई के कार्यों का सम्मान किया जाएगा तथा सिक्योरिटी पेपर मिल की ओर से सहयोग में रुचि-पत्र प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में संपर्क अभियान 2026 को मिली बड़ी सफलता

एक सत बुलेटिन, **भोपाल/ग्वालियर**

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 5,969 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 2 लाख 66 हजार 294 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराते हुए विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भोपाल रीजन के वृत्तों में लगे शिविर

भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 440 शिविरों में 26,656 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल (ओ एंड एम) वृत्त में 529 शिविरों में 35,180 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 303 शिविरों में 11,934 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 160 शिविरों में 20,350 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 400 शिविरों में 30,659 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 301 शिविरों में 18,755 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 433 शिविरों में 6,538 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 384 शिविरों में 8,921 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 255 शिविरों में 13,419 शिकायतों का निराकरण किया गया।

ग्वालियर रीजन के वृत्तों में लगे शिविर

ग्वालियर रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त ग्वालियर में 353 शिविरों में 8,598 शिकायतों का निराकरण किया गया। वहीं अशोकनगर वृत्त में 176 शिविरों में 19,524, भिंड (ओ एंड एम) वृत्त में 337 शिविरों में 6,770, दतिया (ओ एंड एम) वृत्त में 208 शिविरों में 8,879, गुना वृत्त में 304 शिविरों में 10,671, ग्वालियर (ओ एंड एम) वृत्त में 296 शिविरों में 5,028, मुरैना वृत्त में 467 शिविरों में 19,813, श्योपुर (ओ एंड एम) वृत्त में 224 शिविरों में 5,886 तथा शिवपुरी वृत्त में 399 शिविरों में 8,713 शिकायतों का निराकरण किया गया।

इन शिकायतों और सेवाओं पर हुआ त्वरित काम

इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान करना है। शिविरों में मुख्य रूप से त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग एवं अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किए गए। इसके अलावा भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थायी कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवाईसी, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, बंद/खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का निराकरण, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज संबंधी समस्याओं का समाधान, ट्रांसफार्मर से जुड़ी शिकायतों का निराकरण।

सही पोषण–देश रोशन अभियान के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग एवं मुस्कान संस्था के संयुक्त प्रयास से आज आंगन मिलन सेवा के तहत बांणगंगा परियोजना के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 654, सूरज नगर में संवाद, सहभागिता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों को सही पोषण, स्वास्थ्य तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा।





कार्यक्रम में पोषण मटका एवं विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों के माध्यम से संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया गया। उपस्थित महिलाओं एवं परिवारों को दैनिक जीवन में स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने तथा बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद श्रीमती रुक्मणी उइके, जोन अध्यक्ष श्रीमती अनीता कनेजा, सीडीपीओ श्री अखिलेश चतुर्वेदी, सुपरवाइजर श्रीमती नीलम शर्मा, स्वास्थ्य विभाग से एएनएम श्रीमती अनीता मिश्रा, आशा कार्यकर्ता सुमन एवं सपना सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, महिलाएं, धात्री माताएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। मुस्कान संस्था की ओर से कविता एवं फैसिलिटेटर पूजा ने सहभागिता की। कार्यक्रम में लगभग 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत आंगन मिलन सेवा के परिचय से हुई। इसके बाद सामूहिक रूप से आंचल के तुझे मैं लेके चलूं, एक ऐसे गगन के तले गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह एवं अपनत्व का वातावरण बना।

इस दौरान गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इन योजनाओं से उन्हें किस प्रकार लाभ मिल रहा है। उनके अनुभवों से अन्य महिलाओं एवं किशोरियों को भी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को पोषण एवं कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई। प्रतिभागियों ने बच्चों, किशोरों एवं महिलाओं को कुपोषण से मुक्त, स्वस्थ एवं मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाने तथा राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र की दोनों आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें श्रीफल एवं शॉल भेंट किए गए। यह सम्मान समुदाय में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने में उनके निरंतर योगदान के प्रति आभार का प्रतीक रहा।

ग्राम और वार्ड स्तर पर पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराएं: कलेक्टर

सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजस्व विभाग द्वारा 3 एवं 4 अक्टूबर को विकासखंड एवं नगरीय क्षेत्र स्तर पर सेवा सेतु अभियान–सरकार आपके द्वार आयोजित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से आमजन को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विकासखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय निकायों में वार्ड एवं जोन स्तर पर वृहद सेवा सेतु शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से नागरिकों को पारदर्शी, संवेदनशील और समयबद्ध लोक सेवाएं ग्राम एवं वार्ड स्तर पर ही उपलब्ध कराई जाएं।



बैठक में एडीएम श्री सुमित पांडे, श्री प्रकाश नायक, श्री महेंद्र सिंह कवचे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी सहित सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी एसडीएम को ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर आईडी और एग्रीस्टेक पोर्टल से किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैरसिया, हुजूर एवं कोलार अनुविभाग में विशेष अभियान चलाकर किसानों की फार्मर आईडी बनाने और एग्रीस्टेक के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का लाभ दिलाने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिए कि सेवा सेतु शिविरों में बैंकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड सहित मत्स्य पालन, दुग्ध उत्पादन एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों के लिए आवश्यक क्रेडिट कार्ड मौके पर ही बनाए जा सकें।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने सहकारिता विभाग को पैक्स में नए सदस्य जोड़ने, सभी पात्र किसानों को सदस्यता दिलाने तथा केसीसी सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा का लाभ दिलाने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

ग्राम पंचायतों में ई-विकास प्रणाली का लाइव प्रदर्शन कर किसानों को टोकन जनरेट करने तथा पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने, लंबित प्रकरणों का निराकरण करने, पैक्स सदस्यता बढ़ाने तथा किसानों को रबी वर्ष 2026-27 के लिए आवश्यक उर्वरक अग्रिम रूप से उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण, पैक्स सदस्यता कार्यक्रम और ग्राम पंचायतों में फार्मर आईडी बनाने सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, सहकारिता तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की प्रमुख भूमिका रहेगी।

मंडल के रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए भोपाल मंडल द्वारा स्टेशनों एवं यात्री सुविधाओं की नियमित निगरानी की जा रही है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल नलों, वाटर कूलर, टंकियों एवं अन्य जलापूर्ति व्यवस्थाओं की नियमित जांच एवं आवश्यकतानुसार साफ-सफाई सुनिश्चित की जा रही है।

रेलवे परिसरों में प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, पेयजल स्थल तथा अन्य यात्री क्षेत्रों की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वच्छता कर्मचारियों द्वारा निर्धारित अंतराल पर सफाई कार्य किया जा रहा है तथा जलभराव, गंदगी और कचरे की समस्या को रोकने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छ पेयजल के सुरक्षित उपयोग, शौचालयों के उचित उपयोग, कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालने तथा प्लास्टिक एवं अन्य कचरे का इधर-उधर न फैलाने के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने यात्रियों से अपील की है कि स्वच्छ स्टेशन एवं स्वच्छ जल व्यवस्था बनाए रखने में रेलवे का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की गंदगी, पेयजल संबंधी समस्या अथवा स्वच्छता संबंधी शिकायत होने पर रेलवे के अधिकृत शिकायत माध्यमों के माध्यम से इसकी सूचना दें।

बिरसिंगपुर फ्लोटिंग सोलर परियोजना के लिए नई दिल्ली में निवेशक संवाद

पावर जनरेटिंग कंपनी 1300 करोड़ रुपये की परियोजना में विशेषज्ञ की भूमिका में

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थि?त संजय गांधी ताप विद्युत गृह, बिरसिंहपुर के कूलिंग रिजर्वायर में प्रस्तावित 200 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट एवं 50 मेगावाट/100 मेगावाट घंटे क्षमता के बैटरी इनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में निवेशक संवाद एवं हितधारक (स्टेक होल्डर) परामर्श बैठक आयोजित की गई। मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आयोजित इस बैठक में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने परियोजना के विशेषज्ञ एवं परामर्शदाता के रूप में सहभागिता की। बैठक में टाटा पॉवर, वारी एनर्जी, एनटीपीसी ग्रीन, भेल, एनएचपीसी, सेरेनटिका सहित 39 से अधिक डेवलपर कंपनियों एवं प्रमुख ऊर्जा एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। लगभग 1300 करोड़ रुपये लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत निविदा चरण में है। परियोजना के तहत संजय गांधी ताप विद्युत गृह, बिरसिंहपुर के कूलिंग रिजर्वायर पर 200 मेगावाट क्षमता का ग्रिड-कनेक्टेड फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। सोलर प्लांट की क्षमता में 10 प्रतिशत तक परिवर्तन का प्रावधान है। इसके साथ 50 मेगावाट/100 मेगावाट-घंटे क्षमता का बैटरी ऊर्जा भंडारण तंत्र भी विकसित किया जाएगा। बैठक में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने परियोजना की परिकल्पना, तकनीकी संरचना, निवेश मॉडल एवं क्रियान्वयन की रूपरेखा से निवेशकों को अवगत कराया। उन्होंने मध्यप्रदेश की हरित ऊर्जा के विस्तार की दिशा में परियोजना की भूमिका तथा भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के एकीकृत समाधान की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। पावर जनरेटिंग कंपनी के अधीक्षण अभियंता अवनीश शुक्ला ने परियोजना पर विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतिकरण दिया। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश नवाचारी वित्तीय तंत्र एवं शासन के सहयोग से अधोसंरचना विकास के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधियों की सहभागिता प्रदेश की विकास दृष्टि एवं संस्थागत विश्वसनीयता में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है।

राहुल गाँधी भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास न करें

कांग्रेस चुनाव आयोग, न्याय पालिका सहित देश की संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास नहीं करती

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



पिछले कुछ समय से कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग, स्ट्रक और मतदाता सूची को लेकर लगातार गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों के माध्यम से देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता के मन में भ्रम और अविश्वास पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन अब चुनाव आयोग ने स्वयं इस पूरे मामले पर स्पष्ट स्थिति सामने रख दी है, यह बात महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सांसद श्री आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, विधायक श्री अशोक रोहाणी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवलिया की उपस्थिति में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए संभागीय भाजपा कार्यालय रानीताल में कही। महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा 26 सितंबर को चुनाव आयोग की बैठक हुई और तीनों चुनाव आयुक्तों की ओर से संयुक्त रूप से स्पष्ट किया गया कि देशभर में चल रही यानी स्ट्रक्रकिसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं है। यह मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है। ऐसे में सवाल यह है कि जब देश की संवैधानिक संस्था ने स्वयं पूरी स्थिति स्पष्ट कर दी है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस अब भी किस आधार पर इस मुद्दे को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं? मीडिया रिपोर्ट के आधार पर राजनीति क्यों? महापौर श्री सिंह ने कहा राहुल गांधी ने जिस मीडिया रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग और स्ट्रक्र को लेकर सवाल खड़े किए, चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के बाद उस रिपोर्ट की तथ्यात्मकता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा राजनीतिक दलों से अपेक्षा होती है कि वे किसी संवैधानिक संस्था पर गंभीर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पूरी जांच करें। सिर्फ किसी मीडिया रिपोर्ट के आधार पर आरोप लगाना और फिर उसे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ एक बड़े मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करना क्या उचित है? महापौर ने कहा राहुल गाँधी द्वारा स्ट्रक्रप्रक्रिया के तहत स्नशहद्ध-6 से जुड़े ष्ठद्गष्द्यड्डह्लद्धश्ठ को लेकर भी सवाल उठाए गए। दस्तावेज़ के अनुसार, 27 मई 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट स्नशहद्ध-6 से जुड़े इस Declaration को वैध ठहरा चुका है। तो फिर Form-6 में मनमाने बदलाव किए जाने का आरोप किस आधार पर लगाया जा रहा है?

गणेश विसर्जन जुलूस में पुरानी रंजिश पर दो पक्षों में मारपीट

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रांझी थाना अतंर्गत मेमोरी तिराहा व्हीकल मोड़ के पास मेन रोड पर पुरानी रंजिश पर दो पक्षों ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर लोहे के कड़े से हमला कर घायल कर दिया मारपीट में दो युवक घायल हो गए रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बापूनगर रांझी निवासी 20 वर्षीय शुभम सोनकर गत रात लगभग 10 बजे अपने साथी विकास अहिरवार व भाई रघुवीर सोनकर के साथ गणेश जी का जुलूस देखने निकले थे7 जुलूस के दौरान मेमोरी तिराहा व्हीकल मोड़ के पास मेन रोड पर अमित उर्फ बिट्टू चौधरी अपने साथी मोहित के साथ मिला और पुरानी रंजिश पर उसके साथ गाली गलोज करने लगे, मना करने पर अमित उर्फ बिट्टू ने हाथ में पहने हुये लोहे के कड़े से उस पर हमला कर दिया और मोहित ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी अमित उर्फ बिट्टू और मोहित के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 118(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वहीं दूसरे पक्ष आमानाला बड़ा पत्थर रांझी निवासी 19 वर्षीय अमित चौधरी अपने साथी आयुष समुंद्रे तथा अभिषेक चौधरी के साथ गत रात लगभग 10 बजे गणेश जी के विसर्जन जुलूस देखने निकला था7 विसर्जन जुलूस के दौरान मेमोरी तिराहा व्हीकल मोड़ मेन रोड़ के पास पुरानी रंजिश पर शुभम सोनकर गालियां देने लगा मना करने पर शुभम ने हाथ में पहने हुये लोहे के कड़े से उसके सिर पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 118(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित, मातृशक्ति सम्मान एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण पर दिया जोर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से माताओं, बच्चों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए सेवा और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना है । कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़ी महिलाओं, माताओं, बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सेवा कार्यों के लिए उनका सम्मान किया गया। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा तथा माताओं के स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी हितग्राहियों तक पहुंचाई गई, ताकि पात्र परिवार इन योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने कहा कि सेवा केवल किसी एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति निरंतर जिम्मेदारी है। आंगनवाड़ी केंद्र समाज के सबसे छोटे और महत्वपूर्ण वर्ग बच्चों तथा माताओं से सीधे जुड़ने का माध्यम हैं। 'आंगन मिलन सेवा' के माध्यम से सेवा, संवाद, सम्मान और जनभागीदारी को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित सांसद श्री आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और सुशासन के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी आवश्यकताओं को समझना और जरूरतमंदों की सहायता करना ही वास्तविक जनसेवा है।आंगनवाड़ी केंद्र को केवल शासकीय गतिविधियों का केंद्र न मानकर समुदाय, मातृशक्ति और बच्चों के बीच संवाद एवं सेवा का सशक्त माध्यम बनाने का 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान की भावना को घर-घर और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी परांजपे, जिला मंत्री श्रीमती रीना राय, उपाध्याय एवं सतवीर जाट सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका एवं क्षेत्रीय जन उपस्थित थे।

शहर की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और जनहित के मुद्दों को लेकर निर्णायक आवाज़ बुलंद करने का समय!

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, छोटे व्यापारियों की समस्याओं, पुलिस थानों में आमजन के साथ व्यवहार एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर 'पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव' किया जा रहा है। दिनांकः 29 सितंबर 2026 समयः दोपहर 12:00 बजे स्थानः बाई का बगीचा, श्री रामलीला मैदान से एस.पी. ऑफिस तक पैदल मार्च पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लोकप्रिय विधायक श्री लखन घनघोरिया जी एवं शहर कांग्रेस के ऊर्जावान अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा जी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्री यश घनघोरिया जी की विशेष उपस्थिति रहेगी। आइए, शहर की आवाज़ बनकर एकजुट हों। कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और आमजन के अधिकारों से जुड़े सवालों को मजबूती से उठाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। आपकी भागीदारी–जनहित की आवाज़ को मजबूती देगी। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनहित कानून व्यवस्था जबलपुर न्याय सुरक्षा यश घनघोरिया और लखन घनघोरिया जी।

चोरी के 4 प्रकरणों में पुलिस की प्रभावी कार्रवाई करीब 70,900/- कीमत के मोबाइल बरामद

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रकरणों में आरोपियों की पतासाजी कर चोरी गए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की गई। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय रेल जबलपुर श्री सुंदर सिंह कनेश व अति पुलिस अधीक्षक महोदय रेल आशुतोष मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक महोदय रेल विजय गुठरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत द्वारा टीम तैयार कर अलग अलग प्रकरणों में रवाना किया गया जो 1.आरोपी गनेश गड़ारी पिता किशन गड़ारी उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम गौराहा भिटोनी, सिहोरा, जिला जबलपुर से रेडमी नोट-13 मोबाइल, कीमत 17,400/- का,2.आरोपी मोहम्मद सोहैल पिता मोहम्मद मुख्तार अंसारी उम्र 22 वर्ष, निवासी 1699 पचकुईया, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, थाना हनुमानताल, जिला जबलपुर से सैमसंग कंपनी के 17 मॉडल, काले रंग के मोबाइल फोन, कीमत 21,000/-, एवं 3.आरोपी आकाश राजभर पिता प्रकाश राजभर उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम गुरारी खलीलपुर, थाना खेला सराय, जिला जौनपुर (उ.प्र.), हाल निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, महाराजपुर, थाना आधारताल, जिला जबलपुर से ओप्पो कंपनी का मॉडल-13 मोबाइल, कीमत 19,500/-, व4.आरोपी रोहित चौधरी निवासी नरसिंह मंदिर के पास, जबलपुर से 13,000/- कीमत का चोरी गया मोबाइल विधिवत बरामदगी की कार्रवाई की गई। इस प्रकार थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा चोरी के 04 प्रकरणों में कुल लगभग 70,900/- कीमत के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

वाहन चालक पर जानलेवा हमला करने और जातिगत उत्पीड़न का मामला दर्ज

जानलेवा हमले के बाद वाहन चालक ने एसपी से मांगी सुरक्षा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



थाना कटंगी क्षेत्र के ग्राम घटेरा में संदीप यादव और उसके दो भाइयों मधुसूदन यादव एवं उपेन्द्र यादव के विरुद्ध एक आदिवासी वाहन चालक पर जानलेवा हमला करने और जातिगत उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ है। पीड़ित बहादुर गोंड के अनुसार 25 सितंबर को रास्ता मांगने की बात को लेकर संदीप यादव अपने भाइयों के साथ उसके घर आया। जातिसूचक गालियां देते हुए गाली-गलौज की। मना करने पर संदीप यादव ने लकड़ी के डंडे से और उसके भाइयों मधुसूदन एवं उपेन्द्र ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे उसे गंभीर मूंदी चोटें आईं। बीच-बचाव पत्नी रमा बाई, रोहित यादव और गोकुल गौड़ ने किया। आरोपियों ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस के अनुसार इस मामले में थाना कटंगी में पीड़ित की रिपोर्ट पर धारा 3(1)(घ), 3(1)(ध), 3(2)(व्हीए) एससी/एसटी एक्ट एवं बीएनएस की धारा 115(2), 296(ए), 3(5), 351(3) के तहत दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इधर, पीड़ित का आरोप है कि संदीप यादव और उसके भाइयों के राजनीतिक दबाव के कारण थाने में ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है और समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इसी कारण पीड़ित ने आज एसपी जबलपुर को आवेदन देकर वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच, एमएलसी, गवाहों के कथन और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

युवाओं की बात सुने सरकार, मांगों का करे समाधान, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

जेन-जी से टकराव सरकार के लिए पड़ सकता है भारी : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जबलपुर प्रवास के दौरान देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों, जेन-जी के आंदोलन और निर्वाचन व्यवस्था को लेकर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को नई पीढ़ी के शांतिपूर्ण और निष्कपट युवाओं की बात सुननी चाहिए। युवाओं से टकराव की स्थिति सरकार के लिए नुकसानदायक हो सकती है। शंकराचार्य ने युवाओं के आंदोलन को उनके भीतर मौजूद पीड़ा और असंतोष की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह पैर में कांटा चुभने पर बच्चा अपनी पीड़ा व्यक्त करता है, उसी तरह नई पीढ़ी भी अपनी व्यथा और समस्याओं को सामने रख रही है। ऐसे में सरकार को युवाओं की जायज मांगों को समझकर उनके समाधान की दिशा में तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं के आंदोलन को दबाने या अनावश्यक रूप से लंबा खींचने का प्रयास किया गया तो इसके दूरगामी राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं। उन्होंने वर्ष 1974 के जयप्रकाश नारायण आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि उस दौर के आंदोलन से आगे चलकर अनेक राजनीतिक नेतृत्व उभरकर सामने आए थे। शंकराचार्य ने महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक और राजनीतिक प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाने के अवसर मिलना चाहिए। युवाओं की ऊर्जा और उनकी बातों को दबाने के बजाय उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्थान दिया जाना चाहिए। निर्वाचन व्यवस्था को लेकर भी शंकराचार्य ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच कथित मतभेदों का हवाला देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता जरूरी है और नई नियुक्ति भी पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचन संस्थाओं की विश्वसनीयता बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवालों और मतभेदों का समाधान पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए।

संपादकीय

नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है। यह विचार अमेरिका की जानी-मानी निवेश बैंकिंग संस्था जेफरीज ने व्यक्त किया है। भारत में विशेष रूप से डाटा सेंटर स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता दिखाई दे रहा है। डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी छूट भी प्रदान की जा रही है। ऐसे में भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डाटा सेंटरों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों में इसके बढ़कर 10 जीडब्ल्यू तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा सेंटर अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है और यह निवेश आगे भी जारी रहने की संभावना है। भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके पास अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक पांच गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है। कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट भारत की महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सोलर क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत में 35 ॠ की सोलर क्षमता चालू है, जबकि 100 जीडब्ल्यू की क्षमता पर निर्माण कार्य चल रहा है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कंपनियों की सूची में आज भारत की 34 कंपनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पहले भारत फार्मा, टेक्सटाइल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद, मसाले, स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध प्रतिभा और श्रमशक्ति के भरोसे विश्व की कई बड़ी कंपनियों के बीच भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक-ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है। इस बैंक के दुनियाभर के बैक-ऑफिस संचालन में कार्यरत 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन ने पुणे और चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कंपनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में बड़े स्तर पर अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत अब आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्चस्तरीय टैलेंट सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान का कार्य इन केंद्रों में सम्पन्न हो रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए उत्पादों का विकास भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है।

अशोक सिंघल: हिंदुत्व, राष्ट्र और समाजसेवा को समर्पित जीवन

बृजनन्दन राजू

> वर्ष 2012 में विहिप ने अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा की योजना बनाई। अशोक सिंघल लखनऊ आये। उनके साथ पूर्व गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद, पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती, सदगुरू सदन गोलाघाट अयोध्या के महंत सियाकिशोरी शरण दास जी महाराज समेत कई संत थे। लखनऊ विश्व संवाद केन्द्र में संतों के साथ प्रेसवार्ता की। प्रेसवार्ता के बाद सभी संतों को लेकर मुलायम सिंह यादव के आवास पहुंच गये।

अशोक सिंघल का नाम आते ही लोगों के मस्तिष्क में राममंदिर आन्दोलन का परिदृश्य आता है। अशोक सिंघल श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के नायक के साथ अपना सर्वस्व हिंदुत्व, समाज और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित करने वाले व्यक्तित्व थे। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक, सामाजिक समरसता के अग्रदूत, राष्ट्र गौ-गंगा-गायत्री के उपासक व हिन्दुत्व के पुरोधा थे। राममंदिर आन्दोलन के माध्यम से उन्होंने हिन्दू समाज में शौर्य का जागरण किया। राममंदिर आन्दोलन ने समस्त हिंदुओं को एक करने का काम किया। सम्पूर्ण देश राममय हो गया। अशोक सिंघल का जन्म 27 सितम्बर 1926 को आगरा में हुआ था। उनके पिता महावीर सिंघल शासकीय सेवा में उच्च पद पर थे।

1942 में प्रयाग में पढ़ाई के दौरान रज्जू भैय्या उन्हें लेकर संघ की शाखा में गये। रज्जू भैय्या के साथ ही 1943 में अशोक सिंहल ने संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष किया। संघ के वरिष्ठ प्रचारक बापूराव मोघे व भाऊराव देवरस का सानिध्य विद्यार्थी जीवन से रहा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद 1948 में संघ पर प्रतिबन्ध लगा तो अशोक सिंघल सत्याग्रह कर जेल गये। वहाँ से आकर उन्होंने बीई अंतिम वर्ष की परीक्षा दी और इसके बाद संघ के प्रचारक बन गये।

गोरखपुर, वाराणसी व सहारनपुर में जिला प्रचारक रहे। प्रचारक जीवन का अधिकांश भाग सहारनपुर, कानपुर और दिल्ली में व्यतीत हुआ कानपुर में विभाग प्रचारक और संभाग प्रचारक रहे। दिल्ली के प्रान्त प्रचारक रहे।

1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम की घटना ने सम्पूर्ण देश को झकझोर कर रख दिया क्योंकि वहां भेदभाव के कारण अनुसूचित समाज के 800 लोगों ने सामूहिक रूप से इस्लाम स्वीकार कर लिया था। इस घटना के बाद दिल्ली में एक विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पूर्व उप प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा व कश्मीर के महाराजा कर्ण सिंह उपस्थित थे। सम्मेलन का सफल संयोजन दिल्ली प्रान्त प्रचारक के नाते अशोक सिंघल ने किया। इस कार्यक्रम के बाद उन्हें विश्व हिन्दू परिषद में भेजा गया। विहिप को उन्होंने नई ऊंचाई प्रदान की। अनेक क्षेत्रों में काम करने के लिए गोरक्षा, धर्म प्रसार, सामाजिक समरसता जैसे विहिप में कई आयाम प्रारम्भ कराये। विहिप के संयुक्त महामंत्री से लेकर महामंत्री, कार्यकारी अध्यक्ष, अध्यक्ष तथा जीवन के अंतिम सांस तक संरक्षक की भूमिका का निर्वहन किया। जब उनकी योजना विहिप में आने की हुई इसके बाद राममंदिर आन्दोलन में संघ का सहभाग हो, इसके लिए वह तत्कालीन सरसंघचालक बाला साहब देवरस से मिले। बाला साहब देवरस ने स्वीकृति दे दी। इसके बाद उन्होंने राममंदिर आन्दोलन को अपना ध्येय मान लिया और इसके लिए प्राण-पण से जुट गये। देशभर में अहर्निश प्रवास, सतत चिंतन, संतों से भेंट, आन्दोलन व अभियानों के साथ-साथ कानूनी लड़ाई भी जारी रखी। इसके साथ-साथ राजस्थान से पत्थरों को मंगाकर कार्यशाला में पत्थर तराशने का कार्य भी शुरू करा दिया।

नेतृत्व की असाधारण क्षमता थी उनमें। उन्होंने जो तय कर लिया उस को पूरा किये बिना वह रूके नहीं फिर चाहे कितने भी संकट क्यों न आये हों। 1990 में मुलायम सिंह यादव ने घोषणा की कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इस घोषणा के बावजूद हजारों कार्यकर्ता तो अयोध्या पहुंचे ही, अशोक सिंघल भी अयोध्या में पहुंच गए।

1984 में राम जानकी रथयात्रा अयोध्या से निकाली गयी। कट्टरपंथियों की ओर से धमकियां मिलने लगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रीराम जानकी रथयात्रा को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। भेलसर पहुंचने से पहले ही यात्रा पर हमला भी हो गया। यात्रा की रक्षा के लिए सिंघल जी ने युवाओं का आह्वान किया और बजरंग दल का गठन उन्होंने रास्ते में ही कर दिया।

अशोक सिंघल ने मतांतरण रोकने के लिए देशभर में जनजागरण किया। विहिप में धर्मजागरण आयाम शुरू कराया। उनकी पहल पर बड़ी संख्या में पूज्य संतों ने सुदूर वनवासी क्षेत्रों में प्रवास किया। उसके कारण मतांतरण में कमी भी आयी और बड़ी संख्या में घर वापसी भी हुई। ज्ञान-विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने वेद विद्यालय प्रारम्भ कराये।

वे सामाजिक समरसता के प्रेरणा पुंज थे। उनके ही निवेदन पर पूज्य संतों ने काशी में डोमराजा के यहां भोजन करना स्वीकार किया था। अवैद्यनाथ जी महाराज, पेजावर मठ के स्वामी विश्वतीर्थी जी महाराज, जगद्गुरू शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज व महंत नृत्यगोपालदास महाराज जैसे पूज्य संतों ने डोमराजा के यहां भोजन कर संदेश दिया कि हम छुआछूत को नहीं मानते। इससे बड़ा समरसता का उदाहरण क्या हो सकता है।

मतांतरण की आंधी को रोकने के लिए वनवासी क्षेत्रों में अनेक सेवा कार्य व संस्कार केन्द्र शुरू कराये। अशोक जी के आह्वान पर ही बजरंग दल ने गौरक्षा का दायित्व स्वीकार किया। देश, समाज व सनातन की रक्षा के लिए उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दू परिषद ने अशोक सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 27 सितम्बर 2026 से लेकर वर्षभर के कार्यक्रमों की योजना बनायी है। विहिप मतांतरण, घर वापसी, मंदिरों की सरकारी नियंत्रण से मुक्ति तथा सामाजिक समरसता व सेवा के उनके अधूरे कार्यों को गति देकर उनका पुण्य स्मरण करेगी।

मुलायम सिंह यादव हों लालू प्रसाद यादव या अन्य बड़ा राजनेता। सबसे उनके मधुर संबंध थे। रामसेतु की रक्षा के लिए दिल्ली में प्रदर्शन की योजना थी। केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी। दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में विहिप के कार्यकर्ता दिल्ली आ रहे थे। उन कार्यकताओं को दिल्ली पहुंचने से पहले ही पुलिस उतार रही थी। अशोक सिंहल को खबर हुई। उन्होंने सीधे लालू यादव को फोन लगाया। राबड़ी देवी ने फोन उठाया और कहा कि वे अभी पूजा कर रहे हैं, इसके बाद बात कराती हूँ। थोड़ी देर में पलट कर फोन आया। लालू यादव ने कहा- कैसे याद आ गयी। अशोक सिंघल ने बताया कि उनके कार्यकर्ता दिल्ली आ रहे हैं, जीआरपी उन्हें पहले ही उतार दे रही। लालू ने कहा कि बस दो मिनट दीजिए। तत्काल फोन हुआ और लालू ने निर्देश दिया कि जिस भी स्टेशन पर कार्यकर्ता उतारे गये हैं उनको दिल्ली के लिए जो भी गाड़ी मिले तत्काल उन्हें बैठाकर भेजिए।

तर्पण, पितृस्मरण, आध्यात्मिक अनुभूति के अद्भुत संगम हैं नर्मदा तट

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय सनातन परंपरा में नदी जीवन है, संस्कृति है, मातृत्व है, तप है और लोकमंगल की निरंतर प्रवाहित चेतना है। इसी परंपरा में मां नर्मदा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। नर्मदा तट पर किया गया तर्पण मनुष्य को अपने पितरों से जोड़ता है और जीवन की उस अखंड परंपरा के प्रति कृतज्ञ बनाता है, जिसके कारण वर्तमान पीढ़ी अस्तित्व में आई। अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम का दर्शन, तट पर श्राद्ध और तर्पण, शिवस्वरूप नर्मदेश्वर का पूजन तथा नर्मदा परिक्रमा मिलकर ऐसा आध्यात्मिक संसार रचते हैं, जहां जल श्रद्धा बन जाता है, तिल स्मृति का प्रतीक बन जाता है और नदी स्वयं सनातन जीवनधारा का रूप धारण कर लेती है।

वस्तुतः तर्पण शब्द का मूल भाव तृप्ति से जुड़ा है। सनातन संस्कार परंपरा में जल अर्पित करते हुए देवताओं, ऋषियों और पितरों का स्मरण किया जाता है। पितृ तर्पण मनुष्य को यह बोध कराता है कि उसका वर्तमान अकेला नहीं है। उसके पीछे माता-पिता, पूर्वजों, गुरुजनों, ऋषियों और असंख्य पीढ़ियों की स्मृतियां विद्यमान हैं। पितृपक्ष में तर्पण की परंपरा इसी भाव को विशेष गहराई देती है। जल, तिल और कुश के माध्यम से पितरों का स्मरण करते समय व्यक्ति अपने वंश की स्मृति को जीवित रखता है। यह संस्कार मनुष्य को अपनी जड़ों से जोड़ता है और जीवन के प्रति कृतज्ञता का भाव उत्पन्न करता है।

नर्मदा के तट पर यही तर्पण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व ग्रहण कर लेता है। पद्म पुराण के नर्मदा-अमरकंटक प्रसंग में नर्मदा में देवताओं और पितरों के तर्पण का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं का तर्पण करने की बात कही गई है। स्कंद पुराण के रेवाखंड में नर्मदा माहात्म्य का वर्णन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से हुआ है। पहले नर्मदा को ग्राम और वन, हर स्थान पर पुण्यदायिनी बताया गया है। उसके बाद प्रसिद्ध श्लोक आता है :

त्रिभिः सारस्वतं तोयं सप्ताहेन तु यामुनम।
सद्यः पुनाति गाङ्गेयं दर्शनादेव नार्मदम॥

अर्थात सरस्वती का जल तीन दिनों में, यमुना का जल एक सप्ताह में और गंगा का जल तत्काल पवित्र करने वाला माना गया है; नर्मदा का दर्शन मात्र पवित्रकारी बताया गया है।(श्रीस्कन्दमहापुराण, अवन्तीखण्ड, रेवाखण्ड, अध्याय 21, श्लोक 6। परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत पुराण)। यहां दर्शन का आध्यात्मिक अर्थ भी महत्वपूर्ण है। भारतीय परंपरा में दर्शन आंखों से किसी दृश्य को देखने तक सीमित न होकर व्यापक परिप्रेक्ष्य में आया है। दर्शन में श्रद्धा, भाव, समर्पण और आत्मानुभूति का समावेश है, इसलिए नर्मदा दर्शन को मन की शुद्धि और आत्मचिंतन से जोड़कर देखा गया है।

उसी रेवाखंड के अगले श्लोकों में अमरकंटक को पुण्य और सिद्धि से जुड़ा क्षेत्र बताया गया है। देवता, गंधर्व और तपस्वी ऋषियों के यहां तपस्या करने का वर्णन आता है। अमरकंटक को सिद्धिक्षेत्र कहा गया है और इसे देवताओं तथा ऋषियों से संबंधित पवित्र पर्वत के रूप में चित्रित किया गया है। पद्म पुराण के स्वर्गखण्ड में



नर्मदा और अमरकंटक का वर्णन इससे आगे बढ़कर श्राद्ध और तर्पण से जोड़ता है। अध्याय 79 का संबंधित प्रसंग नर्मदा में देवताओं तथा पितरों के तर्पण से विशेष पुण्यफल का उल्लेख करता है। अमरकंटक में स्नान के बाद शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं के तर्पण की बात कही गई है। (श्रीमद् पद्मपुराण, स्वर्गखण्ड, अध्याय 79, जम्बूमार्ग आदि तीर्थ, नर्मदा नदी, अमरकण्टक पर्वत तथा कावेरी-संगम की महिमा, परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत, गीताप्रेस-आधारित संक्षिप्त पद्मपुराण, पृष्ठ 353)

सनातन धर्म में देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की अवधारणा मनुष्य को उसके व्यापक उत्तरदायित्व का बोध कराती है। पितृऋण का अर्थ है उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता जिनसे जीवन, वंश, संस्कार और सामाजिक परंपरा आगे बढ़ी। श्राद्ध इस कृतज्ञता का संस्कार है और तर्पण उसका जलमय स्वरूप है । जब श्रद्धालु नर्मदा के तट पर जल की अंजलि बनाता है और पितरों का स्मरण करता है, तब वह अपने अतीत को वर्तमान से जोड़ता है। तर्पण का यह भाव मनुष्य को अपने परिवार और वंश की स्मृतियों के प्रति सजग करता है। यह संस्कार जीवन पीढ़ियों की सतत यात्रा को अभिव्यक्त करता है।

वस्तुतः नर्मदा के प्रवाह के सामने यह अनुभूति और भी गहरी हो जाती है। जैसे नदी का जल एक क्षण के लिए भी स्थिर नहीं रहता, वैसे ही मनुष्य का जीवन भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर प्रवाहित होता रहता है। यही इसका नित्य चिंतन यहां है। धार्मिक मान्यताओं में नर्मदा को भगवान शिव की मानस पुत्री कहा गया है। मैकाल पर्वत से प्रकट होने के कारण वह मैकलसुता कहलाती हैं। प्रवाह में पत्थरों के स्पर्श से उत्पन्न कल-कल ध्वनि के कारण उनका नाम रेवा भी प्रसिद्ध हुआ।नर्मदा के नाम ही उसके व्यक्तित्व का परिचय देते हैं। मैकलसुता में पर्वत की स्मृति है, रेवा में निरंतर गति है और मां नर्मदा में मातृत्व की अनुभूति।

शिव और नर्मदा का संबंध भारतीय धार्मिक चेतना में अत्यंत गहरा है। इसी कारण नर्मदा के तट पर शिव आराधना, तपस्या और परिक्रमा की परंपरा सदियों से चलती आई है। नर्मदा की धार्मिक पहचान का एक अत्यंत लोकप्रिय भाव है और वह है नर्मदा का कंकर-कंकर शंकर।ह्व नर्मदा से प्राप्त प्राकृतिक शिलाखंडों को शैव परंपरा में नर्मदेश्वर शिवलिंग के रूप में पूजने की परंपरा है। प्राकृतिक रूप से निर्मित इन शिवस्वरूप शिलाओं की पूजा भारतीय धार्मिक जीवन में प्रकृति और परमात्मा के संबंध को व्यक्त करती है।

यह भाव सनातन दर्शन के उस सूत्र से जुड़ता है जिसमें परम तत्व की उपस्थिति प्रकृति के कण-कण में अनुभव की जाती है। नदी का पत्थर श्रद्धा से शिवस्वरूप बन जाता है और नदी का जल अभिषेक का पवित्र माध्यम। इस प्रकार नर्मदा का प्रत्येक तट शिवभक्ति और प्रकृति आराधना के बीच एक सेतु जैसा दिखाई देता है।

नर्मदा परिक्रमा भारतीय तीर्थ परंपरा की अत्यंत विशिष्ट साधना है। परंपरागत रूप से साधक नर्मदा के एक तट से यात्रा आरंभ करता है, नदी के प्रवाह का अनुसरण करता है और दूसरे तट से लौटते हुए परिक्रमा पूर्ण करता है। साधु-संतों की परंपरा में इसकी अवधि तीन वर्ष, तीन महीने और तेरह दिन बताई जाती है। विभिन्न परंपराओं में परिक्रमा के नियमों और आचरण की अलग-अलग विधियां भी मिलती हैं। नर्मदा परिक्रमा में साधक पैरों से दूरी तय करता है, मन से अहंकार छोड़ता है और प्रकृति के साथ रहने का अभ्यास करता है। मार्ग में मिलने वाला प्रत्येक घाट, प्रत्येक आश्रम, प्रत्येक मंदिर और प्रत्येक ग्राम उसके लिए साधना का पड़ाव बन जाता है। यहां नर्मदा परिक्रमा का दर्शन यह सिखा रहा होता है कि तीर्थ मनुष्य को बाहर की यात्रा के साथ भीतर की यात्रा भी कराता है।

सनातन जीवनदृष्टि में वन, पर्वत और नदी साधना के स्वाभाविक क्षेत्र रहे हैं। ऋषि आश्रमों का नदी और वन से निकट संबंध इसी सांस्कृतिक स्मृति का प्रमाण है। अमरकंटक में नर्मदा का उद्गम और आसपास का वन क्षेत्र इसी प्राचीन भारतीय दृष्टि को जीवंत रूप देता है, जहां प्रकृति पूज्य है और उसका संरक्षण धर्मबोध से जुड़ा है। पितरों को जल अर्पित करते हुए मनुष्य अपने भीतर कृतज्ञता जगाता है। नर्मदा को प्रणाम करते हुए वह प्रकृति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है। शिवस्वरूप नर्मदेश्वर का पूजन करते हुए वह सृष्टि में व्याप्त दिव्य चेतना का अनुभव करता है। नर्मदा परिक्रमा करते हुए वह स्वयं को अनुशासन, धैर्य और साधना के मार्ग पर ले जाता है। इस प्रकार नर्मदा भारतीय सनातन चेतना में एक साथ मां, नदी, तीर्थ, तपोभूमि, शिवधारा और पितृस्मरण की पवित्र भूमि बन जाती है।

स्कंद पुराण में कहा गया दर्शनादेव नार्मदम्ह्व नर्मदा के प्रति उस गहन श्रद्धा को व्यक्त करता है, जो हजारों वर्षों से भारतीय मानस में प्रवाहित है। पद्म पुराण में नर्मदा और अमरकंटक के संदर्भ में तर्पण, श्राद्ध, तिल और जल का विधान इस आध्यात्मिक परंपरा को और गहरा करता है। नर्मदे हरह्व इसी समग्र भाव का उद्घोष है। यह मां नर्मदा को प्रणाम है, पितरों का स्मरण है, शिव को नमन है और उस सनातन जीवनधारा के प्रति कृतज्ञता है, जो पर्वत से निकलकर समुद्र तक जाती हुई पीढ़ियों को जोड़ती चली जाती है।

न्यूज ब्रीफ

अग्रसेन जयंती पर सजेगा दरबार

ग्वालियर। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन की जयंती पर 18 अक्टूबर को इंदरगंज चौराहे पर भव्य दरबार सजाया जाएगा। दरबार में भव्य मंच पर महाराजा अग्रसेन के साथ 18 राजकुमार परंपरागत पोशाक में रहेंगे। मंच पर इनके द्वारा अग्रवाल समाज के 18 गोत्रों का पूजन कराया जाएगा। इस तरह का आयोजन पहली बार किया जा रहा है। महाराजा अग्रसेन से लेकर 18 राजकुमारों की भूमिका के लिए समाज से ही 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों और युवाओं का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर शहर में निकलने वाले चल समारोह का स्वागत भी किया जाएगा। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राकेश अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अनुज अग्रवाल एवं महिला विंग की अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल के अनुसार दरबार के मंच पर महाराजा अग्रसेन और 18 राजकुमारों की भूमिका करने वाले पात्रों के चयन के लिए समाज के किशोरों और युवाओं से प्रविष्टियां 30 सितंबर तक आमंत्रित की गई हैं। दरबार शाम 6 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक सजा रहेगा। दरबार में भूमिका निभाने वाले पात्रों को सभा महालक्ष्मी दिवस पर सम्मानित भी करेगी।

जुड़वां बहनों को पानी के टैंकर ने टक्कर मारी एक की मौत

ग्वालियर। सिथौली क्षेत्र में एन-11 रेस्टोरेंट के पास पेट्रोल पंप के सामने स्कूटी पर जा रही जवान बहनों को एक पानी के टैंकर ने टक्कर मार के घटना में एक बहन की मौत हो गई दूसरी घायल हो गई 7 जानकारी के अनुसार कंपू काली माता मंदिर, आमखो निवासी प्रदीप नारायण शर्मा की जुड़वां बेटियां प्रियांशी और प्रतिभा (21) स्कूटी से आईटीएम कॉलेज, सिथौली जा रही थीं। प्रियांशी स्कूटी चला रही थी और प्रतिभा पीछे बैठी थी। दोनों सिथौली क्षेत्र में एन-11 रेस्टोरेंट के पास पेट्रोल पंप के सामने पहुंचीं, तभी पीछे से आए पानी के टैंकर ट्रैक्टर के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में प्रियांशी के पेट और छाती में गंभीर चोट आई, जबकि प्रतिभा के दाहिने हाथ में चोट लगी।राहगीरों की मदद से दोनों को परिवार अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान देर रात प्रियांशी ने दम तोड़ दिया। हादसे में स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हुई है। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गंदगी फैलाने वाले भैंस डेयरी संचालक से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी के निर्देशन में वार्ड 21 में भैंस डेयरी संचालक द्वारा गोबर गंदगी फैलाने पर 2000 रूपये एवं वार्ड 59 गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों एवं ठेले वालों से 2000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। वार्ड क्रमांक 28 गंदगी फैलाने वालों से 2600 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान जेडएचओ श्री प्रदीप सेन, डब्ल्यूएचओ श्री वीर सिंह, सुपरवाइजर राहुल तोमर उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान के निर्देशन में वार्ड 40 में स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने पर 500 रूपये का जुर्माना वसूला गया।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। बरसात में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर किया जा रहा हैं। सहायक यंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज सुरेश नगर थाटीपुर अजय शर्मा जी वाली गली में, दीनदयाल नगर लक्ष्मीपुरम, आयुर्वेदिक कॉलेज के पास माडरे की माता, ग्राम जिरैना में, वैष्णो धाम कॉलोनी, अमेटी यूनिवर्सिटी रोड पर, टीपीटी लाइन मोहनपुर, अनुपम नगर सिटी सेंटर, फ्लोरा सिटी रोड पर, सिद्धेश्वर नाना नगर, हरीखेडा गांव नियर आरटीओ ऑफिस, पटेल नगर सिटी सेंटर सहित अन्य मुख्य मार्गों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

दीपावली पर अस्थायी आतिशबाजी दुकानों के लिए 5 से 14 अक्टूबर तक लिए जाएंगे आवेदन

23 को लॉटरी से होगा दुकानों का आवंटन, 25 अक्टूबर से 18 नवम्बर तक रहेगी अवधि

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



दीपावली त्यौहार के अवसर पर ग्वालियर जिले में विगत वर्षों की भाँति नगर निगम ग्वालियर सीमा क्षेत्र अंतर्गत ग्वालियर व्यापार मेला प्रांगण तथा अनुभाग डबरा, भितरवार व घाटीगांव में अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा चयनित स्थलों पर अस्थायी आतिशबाजी लायसेंस की दुकानों के लिये एक निश्चित अवधि के लिये अस्थायी लायसेंस दिए जायेंगे। अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद ने अस्थायी आतिशबाजी लायसेंस के संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा है कि एसडीएम मुरार ग्वालियर व्यापार मेला क्षेत्र के लिये तथा एसडीएम डबरा, घाटीगांव एवं भितरवार को अपने-अपने अनुभाग क्षेत्र में चिन्हित किए गए स्थानों पर समस्त विहित प्रक्रिया एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विगत वर्ष जारी किए गए अस्थायी आतिशबाजी लायसेंसियों द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर उन्हें लायसेंस जारी करने की कार्रवाई कर लायसेंस जारी करने हेतु अधिकृत किया जाता है। आतिशबाजी के अस्थायी लायसेंस जारी करते समय मध्यप्रदेश राज्य गृह विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी आदेशों एवं माननीय सवोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण मध्य क्षेत्र द्वारा पारित आदेश एवं समय-समय पर मध्यप्रदेश शासन एवं मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा जारी आदेशों/निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में एकरूपता बनाए रखने की दृष्टि से आवेदन पत्र प्राप्ति से लेकर लायसेंस की अवधि प्रक्रिया को एकरूपता से अपनाया जाए। इसके लिये आवेदन पत्र आमंत्रण 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2026 तक, लायसेंस नवीनीकरण सूचना प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026, लॉटरी द्वारा लायसेंसियों को दुकान आवंटन 23 अक्टूबर 2026, लायसेंस वितरण 24 अक्टूबर 2026 से एवं दुकानों की अवधि 25 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2026 तक रहेगी। ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में लगने वाली आतिशबाजी दुकानों के लिये मेला प्राधिकरण को रख-रखाव एवं अन्य विभिन्न सुविधाओं के एवज में प्रत्येक दुकान के लिये 1500 रुपए प्रदान किए जाना निर्धारित किया गया है। प्रत्येक दुकानदार को उक्त राशि मेला प्राधिकरण कार्यालय में जमा कराना होगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि लायसेंस जारी करने के संबंध में की जाने वाली सम्पूर्ण प्रक्रिया तथा इसके लिये निर्धारित दुकानों की संख्या के संबंध में जानकारी के लिये आतिशबाजी फुटकर विक्रेता संघ एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर सम्पूर्ण प्रक्रिया की सूचना एवं प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

---

8 कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि वापस

8 कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश, सीपीसीटी प्रमाण पत्र नहीं होने से वेतन वृद्धि का लाभ वापस लेने के आदेश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सहायक वर्ग-3 के पद पर कार्यरत 8 कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि फिर से लागू कर दी है, जिन्होंने अपनी नियुक्ति के समय सीपीसीटी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया है। साथ ही नगर निगम द्वारा पूर्व में परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद दी गई वेतनवृद्धि को समाप्त किया गया है। वेतनवृद्धि समाप्त होने से उन्हें मिले वेतनवृद्धि के लाभ को वापस लेने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए है। साथ ही 8 कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वह सीपीसीटी का प्रमाण पत्र तीन माह में प्रस्तुत करें। सीपीसीटी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने तक उन्हें 19500 ग्रेड पे के हिसाब से वेतन भुगतान किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के नियम अनुसार वर्ष 2015 के पश्चात नियुक्ति होने वाले कर्मचारियों के लिए सीपीसीटी प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया था। इस दौरान नगर निगम में नियुक्त हुए कुछ कर्मचारियों ने अपने दस्तावेजों के साथ सीपीसीटी के स्थान पर अन्य प्रमाण पत्र संलग्न कर दिए थे। बाद में अधिकारियों ने शासन द्वारा भेजे गए पत्र की गलत व्याख्या करते हुए सीपीसीटी प्रमाण पत्र को मुद्रालेखन परीक्षा समझ लिया, जिसके चलते इन कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर उन्हें वेतनवृद्धि का लाभ दिया गया। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने श्री संजय करोसिया सहायक वर्ग 3, श्रीमती प्रॉजली जादौन सहायक वर्ग 3, श्री अनूप चंद्र मैना सहायक वर्ग 3, श्री लव वागडे सहायक वर्ग 3, श्रीमती ममता बाथम सहायक वर्ग 3, श्री राजाराम पुत्र सूरजमुखी सहायक वर्ग 3, श्री गजेंद्र सिंह सहायक वर्ग 3, श्री राघवेंद्र सक्सेना सहायक वर्ग 3 की परिवीक्षा अवधि फिर से लागू कर दी हैं, साथ ही उन्हें मिले वेतनवृद्धि के लाभ को वापस लेने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए हैं।

कॉम्बिंग गष्त के दौरान जिले के विभिन्न थानों में 89 स्थाई एवं 94 गिरफ्तारी सहित कुल 183 वारंटियों को किया गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए तथा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर षिकंजा कसने के उद्देष्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर 27/28 सितम्बर 2026 की दरमियानी रात्रि शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गष्त किया गया। इस दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक (मध्य/यातायात) सुजावल जग्गा(भापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक (पष्चिम/अपराध) सुमन गुर्जर(भापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल(रापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर(रापुसे) एवं ग्वालियर पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ मय पुलिस बल के ग्वालियर शहर एवं देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गष्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा शहर में स्वयं कॉम्बिंग गष्त का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ थाना बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र में पैदल गष्त किया गया। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाषों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीषीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मषाला, ढाबों को भी चेक किया। इस गष्त के लिये पुलिस की टीमें बनाकर शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनषील इलाकों में भी गष्त की गई। इस दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की चेकिंग की गई। इस दौरान पुलिस ने जिले में कुल 89 स्थाई वारंट, 94 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये साथ ही 139 गुण्डा एवं 146 हिस्ट्रीषीटरों को चेक किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान धारा 151 जाफौ के तहत 01 तथा अन्य प्रकरण में 01 कार्यवाही की गई।

सोलफेज स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ 30 को खुलेगा, 21.78 करोड़ रुपये जुटाना कंपनी का लक्ष्य

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबार से जुड़ी सोलफेज स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी ने अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) की घोषणा की है। इस इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन बुधवार, 30 सितंबर, 2026 को खुलेगा और सोमवार 5 अक्टूबर को बंद होगा। इक्विटी शेयर बीएसईएसएमईप्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कंपनी 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 39,60,000 इक्विटी शेयर 55 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के इश्यू प्राइस पर ऑफर कर रही है, जिसकी कुल राशि 21.78 करोड़ रुपये है। 55 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का इश्यू प्राइस आवेदन के समय चुकाना होगा। इस इश्यू के लिए मार्केट लॉट 2,000 इक्विटी शेयरों का है और रिटेल निवेशकों को कम से कम दो लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि 2.20 लाख रुपये होगी। एचएनआईनिवेशकों को कम से कम तीन लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि 3.30 लाख रुपये होगी। फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेडइस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इश्यू के लिए रजिस्ट्रार है। कंपनी अपने रिटेल नेटवर्क के विस्तार को बढ़ाने के लिए आईपीओसे मिलने वाली राशि का उपयोग करने की योजना बना रही है, जिसमें 12 नए शोरूम शुरू करने के लिए 8.54 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध निर्माण व भैंस डेयरी कराई बंद

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गो को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया। जिसके तहत आज मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत लोहिया बाजार में पीपल वाली गली के अंदर जॉन 12 चल रहे अवैध निर्माण कार्य को बंद कराया गया। इसके पश्चात मुरार शमशान घाट के पास बैंक कॉलोनी गोले का मंदिर क्षेत्रीय कार्यालय 10 के जोनल ऑफिसर के साथ मिलकर अवैध रूप से बन रही मल्टी का सामान, सरिया, बंडल, सेटिंग प्लेटें जप्त कर निर्माण कार्य को बंद करवाया तथा जप्त सामान को मदाखलत कार्यालय पर जमा कर कार्यवाही की। साथ ही शताब्दीपुरम क्षेत्र में अवैध रूप से बांधी गई भैंसे हटवाई गई एवं खूंटे और खाने की हौदी तोड़ी गई तथा जगह को जेसीबी की मदद से समतल कराया गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्राधिकारी श्री राजेश भदौरिया सहायक स्वास्थ अधिकारी श्रीदीपांशु करोसिया, मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थित रहा।

सीएम हैल्पलाइन के 100 दिन से अधिक लंबित प्रकरण 7 दिवस में निपटाएं, लंबित प्रकरणों का भी तत्परता से करें निराकरण

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



सीएम हैल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सभी अपर कलेक्टर अपने - अपने संबंधित विभागों की समीक्षा कर 100 दिन से अधिक लंबित सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण 7 दिवस में सुनिश्चित करें। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए हैं। प्रति सोमवार को आयोजित होने वाली अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित हुई बैठक में सेवा-संकल्प अभियान, सेवा सेतु अभियान के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एडीएम श्री सी बी प्रसाद, अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 100 दिन से अधिक लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर निराकरण करें। साथ ही जो नए प्रकरण दर्ज हैं उनका निराकरण भी संतुष्टिपूर्वक समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि सीएम हैल्पलाइन के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरण, पेंशन प्रकरण और छात्रवृत्ति वितरण के संबंध में जो भी लंबित आवेदन हैं उनका तत्परता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस कंट्रोल रूम ग्वालियर में पेंशन निवारण शिविर का आयोजन

ग्वालियर में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं का मौके पर हुआ समाधान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह(भा.पु.से.) के निर्देशों के अनुपालन में आज पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार ग्वालियर में पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिए लंबित पेंषन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में पेंषन षिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएसपी(मुख्यालय) ग्वालियर रोबिन जैन(रापुसे), पेंषन कार्यालय के अधिकारी एपीओ बलवीर मौर्य, जिला कोषालय के अधिकारी एटीओ अभिषेक शर्मा तथा डीपीओ ग्वालियर मुख्य लिपिक अनिल यादव, आंकिक वेतन कुलदीप सारस्वत, उनि(अ) उदयवीर सिंह, उनि(अ) हेमलता सिकरवार, कार्यवाहक उनि(अ) किरण नरवरिया, कार्यवाहक उनि(अ) किरण नरवरिया, सउनि(अ) अंजली शर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में पुलिस विभाग से सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लंबित पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण, जीपीएफ सहित अन्य लंबित मामलों की सुनवाई कर षिविर में ही अधिकांष प्रकरणों का समाधान किया गया तथा शेष लंबित प्रकरणों के यथाषीघ्र निराकरण हेतु संबंधित को निर्देष दिए गये। इस अवसर पर लगभग 45 सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने लंबित प्रकरणों से जुड़े आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर डीएसपी(मुख्यालय) ग्वालियर रोबिन जैन(रापुसे) द्वारा एक-एक कर सभी प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही तात्कालिक समाधान कर दिया गया तथा शेष लंबित पेंषन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराने का अष्वासन दिया। शिविर का उद्देश्य पुलिस विभाग के ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जिनके पेंषन प्रकरण विभागीय कारण से लंबित है उनका परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

एशियन खेल

भारत ने सोमवार को जीते आठ पदक पदक तालिक में 12वें स्थान पर

एजेन्सी, नई दिल्ली

एशियन खेल-2026 में 28 सितंबर का दिन भारत के लिए पदकों के लिहाज से शानदार रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने सोमवार को कुल आठ पदक अपने नाम किए, जिसमें चार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। दिन का सबसे अहम प्रदर्शन निशानेबाज ईशा सिंह, एथलीट गुलवीर सिंह, मुरली श्रीशंकर और भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह का रहा, जिन्होंने रजत पदक जीते।

ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। वह स्वर्ण पदक के लिए चीन की शियाओ जियारुइशुआन के खिलाफ शूट-ऑफ तक पहुंचीं, लेकिन निर्णायक मुकाबले में मामूली अंतर से पीछे रह गईं।

कुराश में पिंकी बलहारा ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। पिंकी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की सुमिन मो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

एथलेटिक्स में भारत को कई पदक मिले। गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 3:36.72 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। वहीं मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.07 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया।



विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 54.75 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ कांस्य पदक जीता। पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15:14.61 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत ने दो पदक जीते। यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत और रोहित यादव ने 84.35 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे ने 88.55 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

इन पदकों के साथ भारत की कुल पदक संख्या 45 हो गई है। भारत के खाते में अब चार स्वर्ण, 20 रजत और 21 कांस्य पदक हैं और वह पदक तालिका में 12वें स्थान पर है। चीन 130 स्वर्ण, 53 रजत और 45 कांस्य समेत कुल 228 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। मेजबान जापान 41 स्वर्ण, 68 रजत और 62 कांस्य समेत 171 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया 21 स्वर्ण, 26 रजत और 43 कांस्य समेत 90 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उज्बेकिस्तान 12 स्वर्ण, 17 रजत और 13 कांस्य समेत 42 पदकों के साथ चौथे, जबकि कजाकिस्तान 9 स्वर्ण, 13 रजत और 23 कांस्य समेत 45 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है।



भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बांग्लादेश को 10-0 से रौंदा

एजेन्सी, काकामिगाहारा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने पूल ए अभियान का शानदार अंदाज में अंत करते हुए बांग्लादेश को 10-0 से हरा दिया। लगातार पांचवीं जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और अब 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया और दक्षिण कोरिया आमने-सामने होंगे।

सेमीफाइनल में पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

भारी बारिश और पानी से भरे मैदान के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि शिलानंद लाकड़ा ने दो गोल किए। भारत की पूल ए में यह पांचवीं लगातार जीत रही और टीम ने अपने अभियान का अंत प्लस 45 के गोल अंतर के साथ किया। मैच की शुरूआत बारिश के कारण 30 मिनट की देरी से हुई। इसके बावजूद भारत ने तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। अभिषेक ने शानदार रिवर्स हिट के जरिए गेंद को बांग्लादेशी गोलकीपर के पार पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला। जुगराज सिंह ने इसे आसानी से गोल में बदलकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 27वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जोरदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में सुखजीत सिंह ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। 40वें मिनट में हरमनप्रीत ने एक बार फिर पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-0 किया। इसके बाद शिलानंद लाकड़ा ने 44वें और 45वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर भारत की बढ़त 7-0 कर दी। 45वें मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना तीसरा गोल किया और हैट्रिक पूरी करते हुए भारत को 8-0 की बढ़त दिला दी।

तीरंदाजी में भारत का दमदार प्रदर्शन

चारों कंपाउंड-रिकर्व टीमें सेमीफाइनल में



एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला कंपाउंड टीमों के साथ मिक्स्ड रिकर्व और कंपाउंड टीमों में भी सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, सफिंग में भी तीन भारतीय खिलाडि ?ों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। कंपाउंड मिक्स्ड टीम में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलिया को 160-146 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। रिकर्व मिक्स्ड टीम में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को भी 6-0 से शिकस्त देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। वहीं, भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड टीमों ने भी सेमीफाइनल में जगह पक्की की। ज्योति सुरेखा, चिकिथा और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 233-230 से हराया। इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलिया को 238-223 से शिकस्त दी थी।

कोहली का करियर खत्म होने के बाद ही उनकी विरासत की अहमियत समझ आएगी : बिशप

नई दिल्ली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए। उनके इस ऐतिहासिक मुकाम और शानदार निरंतरता पर जियोस्टार के विशेषज्ञ इयान बिशप और वरुण आरोन ने जियोहॉटस्टार के हायर क्रिकेट लाइव पर चर्चा की।

इयान बिशप ने विराट कोहली की 15,000 एकदिवसीय रन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, आपको वही करना पसंद होना चाहिए, जो आप इतने लंबे समय तक करते हैं और उसी के साथ खुद को विकसित करते हैं। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बेहद खास श्रेणी में रखता है, क्योंकि उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर की तुलना में 74 पारियां कम खेलकर 15,000 रन पूरे किए हैं। मैं सचिन को बहुत सम्मान देता हूं और उनके खिलाफ खेल चुका हूं।

गुजरात व यूपी वॉरियर्ज ने रिटेन खिलाड़ियों की सूची जारी की, कई खिलाड़ियों को किया रिलीज

एजेन्सी, नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग-2027 (डब्ल्यूपीएल) की मिनी नीलामी से पहले गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्ज ने अपनी-अपनी टीमों के रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। दोनों फ्रेंचाइजी ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखते हुए टीम में खाली स्थानों को भरने की तैयारी शुरू कर दी है।

डब्ल्यूपीएल-2027 की मिनी नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित की जाएगी। नीलामी से पहले दोनों टीमों के पास अपने मौजूदा दल को मजबूत करने का मौका होगा।

गुजरात जायंट्स ने 14 खिलाड़ियों को किया रिटेन

गुजरात जायंट्स ने कप्तान एश्ले गार्डनर और विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी समेत 14 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। रिटेन खिलाड़ियों में एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, रेणुका सिंह ठाकुर, भारती फुलमाली, काशवी गौतम, कनिका आहूजा, तनुजा कंवर, जॉर्जिया वेयरहैम, अनुष्का शर्मा, हैप्पी कुमारी, किम गर्थ, यास्तिका भाटिया और राजेश्वरी गायकवाड़ शामिल हैं।

गुजरात जायंट्स ने डैनी वायट-हॉज, आयुषी सोनी, तितास साधु और शिवानी सिंह को रिलीज कर दिया है।



13 खिलाड़ियों को रखा बरकरार

यूपी वॉरियर्ज ने कप्तान मेग लैनिंग के साथ 13 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें मेग लैनिंग, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, फीबी लिचफील्ड, हरलीन देओल, क्रांति गौड़, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, सुमन मीणा, जी. त्रिशा, प्रतीका रावल और चार्ली नॉट शामिल हैं। चार्ली नॉट को तारा नॉरिस के स्थान पर टीम में शामिल किया गया था। यूपी वॉरियर्ज ने आशा शोभना, डिएंड्रा डॉटिन, किरण नवगिरे, श्वेता सहरावत, एमी जोंस और क्लो ट्रायन को रिलीज किया है दोनों टीमों के पास अब 28 अक्टूबर को होने वाली मिनी नीलामी में अपने दल की जरूरत के अनुसार खिलाड़ियों को शामिल करने का मौका होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की प्रारंभिक टीम में रबाडा शामिल

एजेन्सी, जोहान्सबर्ग

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी प्रारंभिक टीम में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को शामिल किया है। हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे रबाडा की पहले टेस्ट में उपलब्धता का फैसला अगले सप्ताह होने वाले इंट्रा-स्क्वाड मुकाबले के बाद किया जाएगा।

रबाडा को विंटर ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी और वह फिलहाल उससे उबर रहे हैं। लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और क्वेना मफाका को हैमस्ट्रिंग चोटों से उबरने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।

केंद्रीय अनुबंध से बाहर हो चुके एनरिक नॉर्त्जे को विस्तारित टीम में शामिल किया गया है। वह मार्च, 2023 के बाद अपना पहला टेस्ट खेलने की दौड़ में हैं। टीम में कुल सात तेज गेंदबाजों को जगह दी गई है। जेराल्ड कोएत्जी भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे से चोट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने आखिरी टेस्ट नवंबर, 2024 में खेला था।



शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्क्स एकरमैन टीम में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका ए के लिए 1000 से अधिक रन बना चुके एकरमैन शीर्ष तीन में जगह बनाने के लिए टोनी डी जॉर्जी, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। स्पिन विभाग में केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी को शामिल किया गया है। तीनों खिलाड़ी पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल चुके हैं। शुरूआती सीजन में परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार रहने की उम्मीद है और तीनों टेस्ट समुद्र तटीय मैदानों पर खेले जाने हैं। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका एकादश में तीन में से दो स्पिनरों को उतारने पर विचार कर सकता है।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम 1 अक्टूबर को डरबन में एकत्र होगी।

टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्क्स एकरमैन, डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, जेराल्ड कोएत्जी, टोनी डी जॉर्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्त्जे, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रियान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेयेन।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनएआई के साथ की साझेदारी की घोषणा

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सोमवार को ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। तेंदुलकर ने कहा कि वह चैटजीपीटी के साथ नई संभावनाओं को तलाशने, अपने अनुभव साझा करने और अधिक लोगों को इस तकनीक को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर उत्साहित हैं।



तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस साझेदारी के तहत वह चैटजीपीटी के इस्तेमाल के नए तरीके तलाशेंगे और जो चीजें उन्हें उपयोगी लगेंगी, उन्हें लोगों के साथ साझा करेंगे।

सचिन तेंदुलकर ने कहा, ह्लमैं ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। हमारे पास कुछ दिलचस्प चीजें आने वाली हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं हमेशा से जिज्ञासु रहा हूं... एक सवाल अक्सर दूसरे सवाल की ओर ले जाता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को और बढ़ावा दिया है। लेकिन जब मुझे कुछ काम पूरे करने होते हैं, तब भी यह उपयोगी साबित हुआ है, जैसे परिवार के साथ मेरी पिछली यात्रा की योजना बनाना। उन्होंने आगे कहा, ह्लइसी चीज को लेकर मैं इस साझेदारी के साथ उत्साहित हूं। यह जानना कि मैं चैटजीपीटी के साथ और क्या कर सकता हूं, जो मुझे उपयोगी लगता है।



पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने इसे एक्टिंग से 'बिल्कुल अलग' अनुभव बताया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में दूसरे के किरदार को निभाया और आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में होस्ट करना रोमांचक और सम्मान देने वाला है। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। मैंने अपने सफर का ज्यादातर समय कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए बिताया है, इसलिए आईआईएफए के मंच पर बिल्कुल अलग भूमिका में आना मेरे लिए रोमांचक और सम्मान की बात दोनों है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा पहली बार होगा जब मैं किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करूंगा, जो इस पल को मेरे लिए और भी खास बनाता है। डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईएफएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जश्न का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही सिनेमा को दुनिया के सामने दिखाया है। उन्होंने कहा, 'आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूं। मैं स्टेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकता और उम्मीद करता हूं कि मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा।' इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के अपकमिंग एडिशन में डिजिटल और मेन अवॉर्ड सेरेमनी के लिए होस्ट के दो जोड़े होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे, जबकि करण जौहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे। स्टार-स्टडेड सेलिब्रेशन में सलमान खान, शाहिद कपूर, करीना कपूर खान और जाह्नवी कपूर की स्पेशल परफॉर्मेंस भी होंगी।



संजना सांघी ने यूएन में उठाई युवाओं की आवाज

एक्ट्रेस संजना सांघी ने एक बार फिर भारत के युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाया है। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने युवा सशक्तीकरण, शिक्षा और जमीनी स्तर पर विकास को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए उतने संसाधन और मौके मिल रहे हैं, जितने उन्हें मिलने चाहिए? संजना ने कहा, ''मैं पिछले करीब 12 साल से युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम करती आ रही हूं। जब मैं टीनएजर थी, तब मुझे खुद महसूस हुआ था कि शिक्षा किस तरह मेरी जिंदगी बदल सकती है। उस समय मुझे यह बताने के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ा कि मुझे नेतृत्व करना चाहिए या शिक्षा ही बदलाव का रास्ता है। मैंने खुद इसे महसूस किया और उसी सोच के साथ आगे बढ़ी।''

संजना ने कहा, ''भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी है। ऐसे में यह सवाल बेहद जरूरी हो जाता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को किस तरह तैयार कर रहे हैं। मैं लंबे समय से युवाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास से जुड़ी रही हूं और इसी वजह से मेरे मन में यह सवाल उठता है कि क्या युवाओं को वह तैयारी और सुविधाएं मिल रही हैं, जिसके वे हकदार हैं।''

अपने भाषण में संजना ने सैन्य खर्च का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''जब खबरों में बड़े सैन्य खर्च के आंकड़े दिखाई देते हैं, तो मैं सोचती हूं कि अगर उस रकम का छोटा सा हिस्सा भी शिक्षा और जमीनी विकास पर लगाया जाए तो काफी बदलाव लाया जा सकता है। इस तरह के संसाधनों से प्राथमिक स्कूल, बेहतर मेडिकल सुविधाएं, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और आर्ट सेंटर बनाए जा सकते हैं, जिससे समाज की कई बुनियादी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर हल करने में मदद मिल सकती है।'' संजना ने युवाओं और व्यवस्था के बीच भरोसे की कमी को भी एक अहम मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, ''असली समस्या सिर्फ संसाधनों की नहीं, बल्कि भरोसे की भी है। युवा सिर्फ ऐसी नीतियों के लाभार्थी बनकर नहीं रहना चाहते, जिनका फैसला ऐसे लोग करें, जो उन फैसलों के लंबे समय के असर का सामना खुद नहीं करेंगे। युवाओं को फैसले लेने और बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।''

संजना ने कहा, ''मेरा सपना है कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों से जुड़ी समस्याओं को सामूहिक प्रयास के जरिए जल्द से जल्द हल किया जाए। मैं नहीं चाहती हूं कि हालात ऐसे बनें कि युवाओं को अपनी बात रखने के लिए सड़कों पर उतरना पड़े। बदलाव की शुरुआत समाज के भीतर मिलकर काम करने से हो सकती है।''

संजना को संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रमुख युवा महिला आवाजों में से एक के तौर पर प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। उन्होंने वहां दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए प्रतिनिधियों, बदलाव के लिए काम करने वाले लोगों और प्रभावशाली हस्तियों के साथ युवा भागीदारी, नए तरीके से सामाजिक काम और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति जैसे मुद्दों पर चर्चा की।



भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर है आधारित अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ'

यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती है।

फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है, जो एक पत्नी और मां हैं और जिन्होंने कभी अपने पिता की इच्छा का सम्मान करने के लिए अपने कॉलेज के रोमांस को छोड़ दिया था। कैंसर का पता चलने के बाद, पारुल अपने परिवार को भारत से वापस कैम्ब्रिज ले आती हैं, जिसे वह अपना घर मानती हैं। अपनी बीमारी का सामना करते हुए, पारुल उस जिंदगी को जीने का फैसला करती हैं, जिसे उन्होंने कभी छोड़ दिया था। उनके फैसलों का असर उनके परिवार और उनके आस-पास के बड़े प्रवासी समुदाय पर पड़ता है। फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ के अलावा, सीरीज में इंद्रनील सेनगुप्ता 'जय' के रोल में, परवीन कौर 'नीना' के रोल में, सरायु ब्लू 'रूमा' के रोल में, जस्टिन बार्थ 'एडम' के रोल में, आदि रॉय 'कौशिक' के रोल में, आइला सुंदरसिंह मैकेग 'हेमा' के रोल में और जयंत कृपलानी 'प्रणव' के रोल में हैं। अन्य कलाकारों में इशिता बंसल 'दिव्या' के रोल में, मीरा सिम्हम 'स्वाति' के रोल में, रवि कपूर 'विशाल' के रोल में, स्वयं भाटिया 'सुधा' के रोल में और पलोमी घोष 'अंजलि' के रोल में हैं। '3 बॉडी प्रॉब्लम' और 'द नेवर्स' पर अपने काम के लिए जानी जाने वाली माधुरी शेखर इस शो की राइटर और शो-रनर हैं। वह जॉन वेल्स, झुम्पा लाहिड़ी, निशा गनात्रा, एरिका सालेह, एरिन जोंटो और सेलिया कोस्टास के साथ एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं।

कब रिलीज होगी सीरीज

रितेश बत्रा ने पहले दो एपिसोड को डायरेक्ट किया है और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। 'अनकस्टमड अर्थ' को वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन ने प्रोडयूस किया है। यह 17 दिसंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

'संस्कार' को लेकर पहले थोड़ी झिझक में थीं मुग्धा गोडसे

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'संस्कार' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ''मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।''

मुग्धा ने कहा, ''शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।''



'जेलर 2' की कास्ट में शामिल हुईं विद्या बालन

'जेलर 2' के मेकर्स धीरे-धीरे उन कलाकारों के किरदारों से पर्दा उठा रहे हैं जो इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे। इस कड़ी में अब विद्या बालन का नाम भी जुड़ गया है। मेकर्स ने अब विद्या के किरदार का पहला लुक जारी किया है। वह 'कांथा' का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन नए वीडियो में उन्हें एक जबरदस्त अंदाज में पेश किया गया है। वीडियो में विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में नजर आ रही हैं। उनके हाथ में सिगरेट है और वह सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में दाखिल होती हैं। वीडियो में ज्यादा कुछ तो नहीं दिखाया गया है लेकिन एक बात साफ है कि कांथा का किरदार कोई शांत या दब्बू किस्म का नहीं है। इस सीन में विद्या का अंदाज काफी प्रभावशाली और दबंग है।

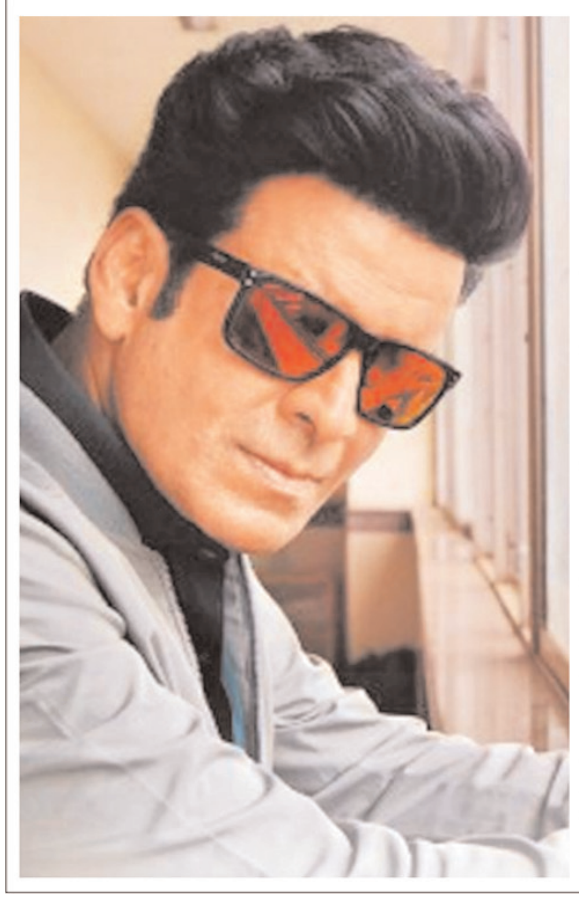
क्या होगा विद्या बालन का किरदार?

मेकर्स ने अभी तक यह नहीं बताया है कि कहानी में कांथा का क्या रोल है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी। कहा जा रहा है कि मिथुन 'जेलर 2' में मुख्य विलेन (खलनायक) की भूमिका में होंगे और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। हिंदुस्तान टाइम्स ने पहले एक सूत्र के हवाले से कहा था, 'विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटी का रोल निभा रही हैं।'

खास हुई 'जेलर 2' की कास्ट

'जेलर 2' में ओरिजिनल कास्ट के कई सदस्य भी वापसी कर रहे हैं, जिनमें राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक शामिल हैं। इस सीक्वल में कलाकारों की एक शानदार नई टीम भी शामिल है, जिसमें एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वेंजारामूडु, अन्ना राजन और जतिन सरना शामिल हैं। फिल्म में कई कैमियो रोल भी होने की उम्मीद है। खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिवा राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकते हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी तक इन सभी नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विद्या के 'कांथा' के रूप में शामिल होने के साथ ही, 'जेलर 2' की कास्ट का एक और अहम हिस्सा तय हो गया है।





'लास्ट मैन इन टावर' में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा 'अच्छा इंसान' और 'बड़ा इंसान' बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है।

बात करते हुए मनोज ने कहा, ''मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।'' मनोज ने कहा, ''अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का 'बड़ा इंसान' समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कहीं पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।'' उन्होंने कहा, ''उस वक्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही 'महानता' दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।''

उन्होंने कहा, ''इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।''

'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के नॉवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पृष्ठभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि इसके बदले उन्हें बड़ी रकम मिल रही होती है। लेकिन मनोज का किरदार अपना घर छोड़ने से साफ इनकार कर देता है। इसके बाद वह पूरी बिल्डिंग को खाली कराने और वहां लग्जरी टावर बनाने की योजना के बीच अकेली बड़ी रुकावट बन जाता है। कहानी सिर्फ घर बचाने की लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके जरिए परिवार, रिश्तों, पैसे, सोच और इंसान के अपने बारे में बनाए नजरिए को भी दिखाया गया है।



न्यूज ब्रीफ

परिवहन विभाग ने शायनिंग ग्लोरियर्स स्कूल रौन की दो बसों पर की 10 हजार की चलानी कार्रवाई



भिण्ड। कलेक्टर भिण्ड के निदेर्शानुसार एवं जिला परिवहन अधिकारी के निर्देशन में चेकपोस्ट प्रभारी श्री अशोक शर्मा, स्टाफ द्वारा आज शायनिंग ग्लोरियर्स स्कूल रौन की स्कूल बस का निरीक्षण किया गया, कुल 24 बसें संचालित होना पायी गईं। निरीक्षण के दौरान दो बसों पर पीयूसी एवं एचआरएसपी न होने की दशा में दस हजार की रुपये की चलानी कार्यवाही की गई एवं बस चालकों/संचालक को उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों का पालन करने एवं वाहन को सुरक्षित तरीके से चलाने के अनुदेश दिये गये।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता हुई आयोजित



भिण्ड। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संस्था के छात्र/छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र/छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, युवा ऊर्जा, डिजिटल भारत, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत सहित सपनों का भारत का वर्णन किया। इसी प्रकार सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत गत दिवस शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में मेरे सपनों का भारत विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संस्था के छात्र/छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए छात्राओं को आवश्यक सामग्री संस्था से निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। छात्र/छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जनधन योजना, डिजिटल भारत, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत सहित भारत के भविष्य की तस्वीर का खूबसूरत चित्रण किया। प्रतियोगिता का आरम्भ संस्था के प्राचार्य बी.डी. पुरोहित द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में संस्था के श्री आशीष शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, श्रीमती प्रियंका चौहान, श्रीमती हेमलता परिहार, श्री बृजेन्द्र बाजपेई, श्री पृथ्वीराज सिंह सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

देवास जॉब पोर्टल को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड

भोपाल। देवास में रोजगार के क्षेत्र में शुरू किए गए अभिनव नवाचार देवास जॉब पोर्टल ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में इस डिजिटल पहल को प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड - गोल्ड कैटेगरी से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में युवाओं को रोजगार के सुगम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मिली बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 14 अक्टूबर 2025 को देवास जिले के बागली विकासखंड में देवास जॉब पोर्टल का विधिवत शुभारंभ किया गया था। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं और उद्योगों को एक पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी डिजिटल मंच पर जोड़ते हुए रोजगार के अवसरों को सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचाना है। देवास जॉब पोर्टल युवाओं और स्थानीय औद्योगिक इकाइयों के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। सितंबर 2026 तक पोर्टल पर 12,600 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है। पोर्टल पर 258 उद्योगों और संस्थानों ने भागीदारी करते हुए 4600 रोजगार के अवसर सृजित किए, इनमें से 1,000 से अधिक स्थानीय अभ्यर्थियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ।

उप मुख्यमंत्री ने विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बच्चों के उत्कृष्ट विचार विकसित भारत का सपना सच करेंगे : उप मुख्यमंत्री

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर के स्कूलों में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला स्तरीय प्रतियोगिता कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बनाए चित्र देखकर और भाषण प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट विचार सुनकर हम सबको विश्वास हो गया है कि बच्चे विकसित भारत का सपना सच करेंगे।



भारत 2047 तक विश्वगुरू बनेगा और लंबे समय तक विश्व का नेतृत्व करेगा, जिससे विश्व में शांति और समृद्धि होगी। वर्षों की पराधीनता में जकड़ा हमारा देश विकास की दौड़ में पीछे रह गया था। आजादी के बाद देश के विकास के प्रयास शुरू हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के विकास को गति मिली। हमारा देश 2014 के पहले विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश और रीवा में भी विकास के कई बड़े कार्य हुए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि बच्चों को रीवा प्रदेश और देश के अच्छे कार्यों की पूरी जानकारी है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास का वास्तविक और पूरा लाभ बच्चों को ही मिलेगा। 2047 में आप सब बच्चे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे होंगे। भारत के तेजी से विकास की राह में कदम आगे बढ़ता देखकर कई देश के दुश्मन इसमें बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए युवाओं को भ्रमित किया जा रहा है। बच्चे अपने मन और मस्तिष्क को खुला रखकर देश के विकास की चिंता करने वालों का साथ दें और देश के दुश्मनों के जाल में न फंसे। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता ने बच्चों की ब्रेन स्टार्मिंग की है। इसके लिए मैं शिक्षा विभाग को बधाई देता हूँ। उप मुख्यमंत्री ने भाषण प्रतियोगिता के बच्चों को पुष्पगुच्छ और स्नेह देकर सम्मानित किया।

समारोह में विन्ध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि आज विद्यार्थियों की प्रतिभा देखकर मैं अभिभूत हूँ। आज के विजेता विद्यार्थी प्रदेश स्तर पर भी रीवा का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता में बड़े स्कूलों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि बच्चों ने अपने भाषण में मेरे सपनों का भारत की सही तस्वीर प्रस्तुत की है। बच्चों के भाषण सुनकर मैं अभिभूत हूँ। आप सबको देश-प्रदेश और रीवा के विकास की पूरी जानकारी है। समारोह में भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों वैशाली शुक्ला, तृप्ति सिंह, सत्यप्रताप सिंह तथा कृतिका यादव ने मेरे सपनों का भारत विषय पर ओजपूर्ण भाषण दिया।

समारोह में उप मुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया। भाषण प्रतियोगिता में वैशाली शुक्ला तथा ऋषिका सोनी को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, शगुन सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रवीणा पटेल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसमें देश शुक्ला को चौथा तथा गौरी तिवरी को पांचवा स्थान प्राप्त हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता में कुमारी आद्या सोनी को प्रथम, तृप्ति द्विवेदी को दूसरा, नेहा ठकुरिया को तीसरा तथा आयुषी गुप्ता को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्षी श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पार्षदगण, प्रभारी अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम हुजूर जितेन्द्र तिवारी, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मिश्रा, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी, शिक्षक तथा तीन सौ से अधिक प्रतिभागी बच्चे उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में किया पौधारोपण



एक सत बुलेटिन, **बैरसिया**

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया में सोमवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.राजू तिलंथे के साथ समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.राजू तिलंथे ने पौधारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने आगे कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधारोपण के पश्चात विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ ने रोपित पौधों की नियमित देखभाल करने तथा उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण,हरियाली बढ़ाने तथा स्वच्छ एवं सुंदर परिसर के निर्माण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का सकारात्मक संदेश दिया गया।

मेरी कहानी, मेरी सफलता ने बयां किया योजनाओं का असर

महिलाओं ने साझा किए सफलता के अनुभव, बच्चों को फल-मिठाई का वितरण

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा के तृतीय दिवस सोमवार को परियोजना बाणगंगा के सेक्टर पंचशील स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 749 में मेरी कहानी, मेरी सफलता लाभार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभ और इन योजनाओं से उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानी साझा की।



कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण लाभार्थी महिलाओं के अनुभवों पर तैयार की गई वीडियो रही। छह माताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विभागीय योजनाओं ने उनके परिवार और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं कल्याण में किस प्रकार सहयोग प्रदान किया। इन अनुभवों के माध्यम से योजनाओं के जमीनी प्रभाव और उनकी उपयोगिता को प्रभावी ढंग से सामने रखा गया।

इस अवसर पर माताओं एवं बच्चों को शासन की पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी सरल और सहज बोलचाल की भाषा में दी गई। महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार इन योजनाओं से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनमें उत्साह बढ़ाने के लिए फलों एवं मिठाई का वितरण किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित इस आयोजन में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं महिला मोर्चा की सदस्य निधि श्रीवास्तव, राधा सिंगर, कौशल्या रजक, ज्योति यादव एवं हेमलता साहू उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं का नारियल एवं फूलमाला से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर परियोजना अधिकारी श्री अखिलेश चंद्र चतुर्वेदी एवं पर्यवेक्षक श्रीमती सपना साहू भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को यह संदेश दिया गया कि शासन की योजनाओं का लाभ केवल सुविधा प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी बन सकता है। मेरी कहानी, मेरी सफलता कार्यक्रम में लाभार्थी महिलाओं की अपनी जुबानी सामने आई सफलता की कहानियों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायी बना दिया।

नागरिक सुविधाओं का सहज प्रदाय और सुलभ प्रशासन है प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्य: अध्यक्ष श्री मिश्रा

एक सत बुलेटिन, **भिण्ड**

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री एसएन मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्य नागरिकों को सुलभ एवं जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराना है। प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन एवं युक्तियुक्तकरण से प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ेगी, जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि पुनर्गठन आयोग वर्ष 2047 की आवश्यकताओं पर केंद्रित नागरिक सुविधाओं के सहज प्रदाय और सुलभ प्रशासन के उद्देश्य से प्रशासनिक इकाइयों के युक्तियुक्तकरण की अनुशंसा करता है। यह परिसीमन आयोग से भिन्न है क्योंकि परिसीमन आयोग केंद्रीय अधिनियम से शासित होता है जो जनसंख्या आधारित सीमाओं को परिभाषित करता है। अध्यक्ष श्री मिश्रा कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में आयोजित बैठक को



संबोधित कर रहे थे। अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि पुनर्गठन आयोग के चार मुख्य कार्यक्षेत्र हैं। आयोग भौगोलिक परिस्थिति और जन,-अपेक्षाओं के आधार पर प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में अनुशंसा करता है। नवीन प्रशासनिक इकाइयों के गठन के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धान्त तैयार करता है। प्रशासनिक सुधार के उद्देश्य से आयोग द्वारा पदीय संरचना एवं इनके युक्तियुक्तकरण तथा प्रशासनिक इकाइयों की दक्षता संवर्धन के लिए भी अनुशंसाएं की जाती हैं। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा भारतीय प्रबंध संस्थान और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के सहयोग से अन्य राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जा रहा है। अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि आयोग की कार्यपद्धति प्रश्नावली आधारित है, जिसमें प्रशासनिक इकाई और प्रशासनिक अमला से संबंधित सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होंने आयोग द्वारा तैयार किए गए प्रश्नावली के विभिन्न भागों तथा प्रपत्रों का विस्तृत परिचय दिया और हितधारकों द्वारा दिए जा रहे मत के सम्बन्ध में आयोग की अपेक्षाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला, तहसील और जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रश्नावली भरकर जिला कलेक्टर को भेजी जाएंगी जो समस्त जानकारी संकलित कर आयोग को प्रेषित करेंगे। प्रस्ताव तैयार करते समय जनप्रतिनिधियों से भी राय ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक बुद्धिमता से तैयार प्रस्तावों के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं और आयोग द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में नागरिकों और शासकीय सेवकों को आज की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े।

जैन डायग्नोस्टिक सेन्टर का किया औचक निरीक्षण, कमियां मिलने पर किया सील्ड



एक सत बुलेटिन, **भिण्ड**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला भिण्ड डॉ. जे.एस. यादव के निर्देशन में भिण्ड शहरी क्षेत्र में संचालित जैन डायग्नोस्टिक सेन्टर संचालक आस्था जैन पताः- लश्कर रोड भिण्ड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उक्त पैथॉलोजी तलघर में संचालित होना पाया गया जो कि म.प्र. रूजोपचार एवं उपचार्यगृह के प्रावधानों के विपरीत है दल प्रभारी डॉ. आलोक शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2 द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए मौके पर उक्त संस्था को सील्ड करने की कार्यवाही की गयी। डॉ. जे.एस. यादव द्वारा स्पष्ट किया गया है कि म.प्र. रूजोपचार एवं उपचार्यगृह के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पैथॉलोंजी सेंटरों का निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेगा। निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स, सिविक सेंटर, तीन बत्ती चौराहा, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें– ए–1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755–4515227, मोबाइल: 9893311784